कार्तिक कृष्ण पक्ष -7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 115 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
01 नवंबर 2026 रविवार
आज का मौसम
26.0 अधिकतम
18.4 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26
बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

नई सोच, नई गति से
आगे बढ़ता
मध्यप्रदेश

71वां
स्थापना दिवस
समारोह
1-3 नवम्बर, 2026

शुभारंभ
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

"हर जीवन को स्पर्श करते विकास से,
हर चेहरे पर मुस्कान लाती समृद्धि तक
किसान के खेत से युवाओं के सपनों और
नारी के सम्मान से वंचितों की उन्नति तक
बदलाव की मिसाल बनता
मध्यप्रदेश

71वें स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
D-11159/26
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

स्वदेशी मेले में भारतीय कला- संस्कृति और हस्तकला का अनूठा संगम

भोपाल। आज भोपाल के एम.वी.एम. महाविद्यालय परिसर में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित 'स्वदेशी मेले' में पहुँचकर विभिन्न स्वदेशी उत्पादों का अवलोकन किया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। यह मेला भारतीय कला-संस्कृति, स्थानीय हुनर और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने का सराहनीय प्रयास है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को आत्मसात करते हुए स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देना आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हमारा महत्वपूर्ण योगदान है।

न्यूज विंडो

एफआईआर: फर्जी जाति प्रमाण पत्र से सीआईएसएफ की नौकरी

भोपाल । सीआईएसएफ में कांस्टेबल की नौकरी पाने के लिए एक युवक ने कथित तौर पर फर्जी अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाणपत्र का सहारा लिया। इसी प्रमाणपत्र के आधार पर उसका चयन हुआ और वह नौकरी भी करने लगा। सीआईएसएफ ने जब प्रमाणपत्र का सत्यापन कराया तो पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ गया। मामले में आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा थाने में धोखाधड़ी और कूटरचना की धाराओं में केस दर्ज कराया गया है। अब इस मामले की केस डायरी भोपाल के गोविंदपुरा थाने पहुंची है। पुलिस के मुताबिक, सतना जिले के रघुराजनगर निवासी बंशीलाल पिता बहादुर सिंह का सीआईएसएफ में कांस्टेबल/जीडी के पद पर चयन हुआ था। 21 अक्टूबर 2023 को उसकी नियुक्ति हुई। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद 17 सितंबर 2024 को उसने श्रीहरिकोटा स्थित सीआईएसएफ यूनिट में ज्वाइन किया।

एनजीटी ने शाहपुरा तालाब की रिपोर्ट पेश करने दिया और समय

भोपाल। शाहपुरा तालाब के स्टाप डैम को तोड़कर पानी बहाए जाने के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में शुक्रवार को सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने मामले से जुड़े सभी पक्षों को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए तीन सप्ताह की मोहलत दी है। अब अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। यह सुनवाई कोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान और याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना द्वारा मप्र स्टेट वेटलैंड अथॉरिटी के खिलाफ दायर याचिका पर एक साथ हुई। सुनवाई के दौरान आवेदक के वकील ने प्रशासनिक स्तर पर रिपोर्ट दाखिल करने में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। इस पर एमपीपीसीबी की वकील पारुल भदौरिया ने स्टेटस रिपोर्ट पेश कर बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर तालाब क्षेत्र का सीमांकन व पहचान पूरी हो चुकी है।

आर्म्स लाइसेंस के आवेदन अब सिर्फ ऑनलाइन होंगे स्वीकृत

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार शस्त्र लाइसेंस व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने जा रही है। नई व्यवस्था के तहत ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसके लिए मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम नया पोर्टल तैयार कर रहा है, जिसे केंद्र सरकार के नेशनल डेटाबेस ऑफ आर्म्स लाइसेंस (एनडीएएल) पोर्टल से सीधे जोड़ा जाएगा। इससे लाइसेंस से संबंधित आवेदन, नवीनीकरण, हथियारों की खरीद-बिक्री और हस्तांतरण का रिकॉर्ड डिजीटल रूप में उपलब्ध रहेगा।गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि सभी तरह के शस्त्र लाइसेंस के आवेदन ऑनलाइन लेने की व्यवस्था पहले से हैं, लेकिन इसका पूरी तरह से पालन नहीं किया जा रहा था। सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि शस्त्र लाइसेंस संबंधी सभी आवेदन सिर्फ ऑनलाइन ही लिए जाएं।

दीवाली बाद फिर एक्शन में आएगी सरकार

रहवासी इलाकों में कमर्शियल यूज पर नए सिरे से जारी करेंगे नोटिस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आवासीय भवनों में नियमों के विपरीत व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वालों पर नगर निगम दीपावली के बाद फिर कार्रवाई शुरू कर सकता है। इसके लिए निगम ऐसे प्रतिष्ठानों को नए सिरे से नोटिस जारी करेगा, जो आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां चला रहे हैं। नोटिस के बावजूद गतिविधियां बंद नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों को सील किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में निगम ने पहले भी शहर के सभी 21 जोन में ऐसे प्रतिष्ठानों को चिह्नित कर नोटिस जारी किए थे, लेकिन कार्रवाई के आंकड़े बेहद कम रहे।

8264 नोटिस के बाद भी सिर्फ सात सील

नोटिस जारी करने और वास्तविक कार्रवाई के आंकड़ों के बीच बड़ा अंतर निगम की पिछली कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़ा करता है। 8264 प्रतिष्ठानों को नोटिस देने के बावजूद केवल सात को सील किया जा सका। वहीं, 183 प्रतिष्ठानों को स्वेच्छा से बंद कराए गए थे। अब निगम नए सिरे से नोटिस जारी करने की तैयारी है। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि निगम इस बार केवल कागजी कार्रवाई करता है या नियमों का उल्लंघन जारी रखने वाले प्रतिष्ठानों पर वास्तव में कठोर कदम उठाता है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हो रही है कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में शुरू हुई इस कार्रवाई का मकसद आवासीय क्षेत्रों में स्वीकृत भू-उपयोग के विपरीत चल रही व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाना है। निगम की आगामी कार्रवाई में नोटिस के बाद भी नियमों का उल्लंघन करने वालों को सीलिंग का सामना करना पड़ सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी। जैसे ही कोई प्लानिंग होगी, उसकी सूचना दी जाएगी।

– आरपी अहिरवार, आयुक्त, नगर निगम

8264 प्रतिष्ठानों को नोटिस

निगम के अनुसार, शहर में कुल 8264 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद केवल 190 मामलों में ही कार्रवाई हुई। इनमें 183 प्रतिष्ठानों ने निगम की कार्रवाई शुरू होने के बाद स्वेच्छा से व्यावसायिक गतिविधियां बंद कर दी थीं, जबकि महज सात प्रतिष्ठानों को सील किया गया। इस तरह 8264 नोटिस जारी होने के बावजूद सीलिंग की कार्रवाई सात प्रतिष्ठानों तक ही सिमटकर रह गई। अब निगम पुराने नोटिसों के बजाय नए सिरे से नोटिस जारी कर संबंधित प्रतिष्ठानों को जवाब देने का मौका देगा। इसके बाद भी नियमों का उल्लंघन जारी रखने वालों पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

1 दिसंबर से कक्षा 3 से 8 तक की परीक्षाएं, लर्निंग आउटकम्स पर बेस्ड होंगे पेपर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस बार तीसरी से आठवीं कक्षा की छमाही परीक्षा में विद्यार्थियों की केवल किताबी जानकारी नहीं, बल्कि उनकी समझ, विश्लेषण क्षमता और सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करने की दक्षता भी परखी जाएगी। परीक्षा में लर्निंग आउटकम्स (सीखने के प्रतिफल) पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके लिए बहुविकल्पीय, रिक्त स्थान की पूर्ति, अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय और दीर्घउत्तरीय प्रश्नों का पैटर्न निर्धारित किया गया है।

परीक्षा का पैटर्न बदला

खास बात यह है कि पहली बार इस पैटर्न पर आधारित मॉडल प्रश्न बैंक भी तैयार किया जाएगा, जिसके माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी कराएंगे। राज्य शिक्षा केंद्र ने सत्र 2026-27 में प्रतिभा पर्व और अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन के आयोजन को लेकर सभी कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों का अलग से मूल्यांकन नहीं होगा। इनका आकलन एफएलएन आधारित आवधिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा। मूल्यांकन के अगले कार्यदिवस में स्कूलों में बालसभा का आयोजन किया जाएगा। इसे विद्यालय के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र, पांच तरह के प्रश्न

- प्रत्येक विषय का प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। इसमें कुल 26 प्रश्न शामिल रहेंगे।
- 5 बहुविकल्पीय और 5 रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न एक-एक अंक के होंगे।
- 6 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न दो-दो अंक, छह लघुउत्तरीय प्रश्न तीन-तीन अंक और चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न पांच-पांच अंक के होंगे।
- प्रश्नपत्र में 20 प्रतिशत प्रश्न ज्ञान आधारित, 50 प्रतिशत समझ, 20 प्रतिशत अनुप्रयोग और 10 प्रतिशत उच्च स्तरीय चिंतन कौशल पर आधारित रहेंगे।
- कठिनाई स्तर के अनुसार 20 प्रतिशत आसान, 50 प्रतिशत औसत और 30 प्रतिशत कठिन प्रश्न रखे जाएंगे।

प्रतिभा पर्व मूल्यांकन एक दिसंबर से शुरू होगा

सरकारी स्कूलों में तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों का प्रतिभा पर्व मूल्यांकन 1 दिसंबर से शुरू होगा। तीसरी से पांचवीं तक की परीक्षाएं 1 से 7 दिसंबर तक सुबह 10.30 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएंगी। वहीं छठवीं से आठवीं तक का मूल्यांकन 1 से 8 दिसंबर तक दोपहर 1.30 से शाम चार बजे तक होगा। प्रश्नपत्र अक्टूबर तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर संबंधित जिलों की डाइट द्वारा तैयार किए जाएंगे।

नाबालिग से दरिंदगी के दोषी सौतेले पिता को उम्र कैद, पीड़िता को 4 लाख का मुआवजा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नाबालिग सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपित को विशेष न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने पीड़िता को चार लाख रुपये का प्रतिकर देने का आदेश भी जारी किया है। शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) व तेरहवें अपर सत्र न्यायाधीश नीलम मिश्रा की अदालत ने यह फैसला सुनाया। विशेष लोक अभियोजक अनिल कुमार पटेल ने बताया कि आरोपित को भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1) के तहत 20 वर्ष के सश्रम कारावास और दो हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। वहीं, पॉक्सो अधिनियम की धारा के तहत आजीवन कारावास व एक-एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनिल कुमार पटेल और लक्ष्मी कसाव ने पैरवी की। पीड़िता ने मां को इसकी जानकारी दी। 26 जुलाई 2024 को बिलखिरिया थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने जांच के बाद न्यायालय में आरोपपत्र पेश किया। अभियोजन के साक्ष्यों और दलीलों के आधार पर अदालत ने आरोपित को दोषी ठहराया।

मां के इलाज के लिए अस्पताल जाने पर किया दुष्कर्म

अभियोजन के अनुसार, पीड़िता के पिता की चार साल पहले बीमारी से मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उसकी मां आरोपित के साथ रहने लगी थी। जुलाई 2024 में मां और आरोपित की मां अस्पताल गई थीं। घर में अकेली नाबालिग के साथ आरोपित ने जबरदस्ती दुष्कर्म किया। इसके बाद 21 जुलाई को मां के मजदूरी पर जाने के दौरान आरोपित ने दोबारा वारदात की।

आरबीआई ने पकड़े 100 रुपये के 22 जाली नोट, धार करेंसी चेस्ट से भेजी गई थी खेप

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की करेंसी जांच में 100 रुपये के 22 जाली नोट मिलने का मामला सामने आया है। ये सभी नोट बैंक ऑफ इंडिया के धार स्थित करेंसी चेस्ट से भोपाल पहुंची नोटों की खेप में मिले हैं। आरबीआई के निर्गम विभाग की शिकायत पर एमपी नगर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर नकली नोटों के स्रोत की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को आरबीआई के प्रबंधक गौरव सोहगौरा अन्य अधिकारियों के साथ थाने पहुंचे और नकली नोटों की सूची सहित संबंधित दस्तावेज सौंपे। आरबीआई के पत्र के अनुसार सितंबर 2026 में विभिन्न बैंकों के करेंसी चेस्ट से प्राप्त नोटों की छंटाई के दौरान ये जाली नोट पकड़े गए थे। इनकी पहचान करेंसी वेरिफिकेशन एंड प्रोसेसिंग सिस्टम (सीवीपीएस) के जरिए की गई। जांच में सामने आया कि 22 नकली नोटों में 21 पुराने डिजाइन के हैं, जबकि एक नए डिजाइन का है।

5 से अधिक जाली नोट मिलने पर पुलिस में एफआईआर अनिवार्य

आरबीआई के नियमानुसार एक ही लेन-देन में पांच या उससे अधिक नकली नोट मिलने पर पुलिस में एफआईआर दर्ज कराना आवश्यक है। इसी आधार पर शिकायत की गई। अब पुलिस यह पता लगा रही है कि जाली नोट धार के करेंसी चेस्ट तक कैसे पहुंचे और इन्हें किसने जमा कराया था।

स्वच्छता के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने करें योगदान : सारंग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपावली के पावन पर्व के आगमन से पूर्व नरेला विधानसभा के समस्त वार्डों में आयोजित वृहद स्वच्छता अभियान में सम्मिलित होकर श्रमदान किया। इस अवसर पर स्वच्छता के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने के साथ-साथ सफाई मित्रों से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नरेला विधानसभा के विधायक और मप्र सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हमें स्वच्छाता के प्रति जागरुकता बढ़ाने में योगदान करना चहिए। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, इस दीपावली पर अपने घर-आंगन के साथ-साथ अपने आसपास के परिवेश को भी स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लें ताकि स्वच्छता की रोशनी हर गली, हर मोहल्ले और हर वार्ड तक पहुँच सके।

मेट्रो एंकर एम्स में करीब 30 करोड़ की लागत से द विंची रोबोट 4.0 लाने की तैयारी, अगले माह तक आ जाएगी मशीन

अब भोपाल में भी होगी हाईटेक रोबोटिक सर्जरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू होने जा रही है। संस्थान ने करीब 30 करोड़ रुपये की लागत वाले 'द विंची रोबोट 4.0' का ऑर्डर जारी कर दिया है। अगले एक महीने के भीतर यह मशीन अस्पताल में आ जाएगी। मशीन के आगमन के बाद इसका इंस्टॉलेशन, तकनीकी परीक्षण और डॉक्टरों का प्रशिक्षण पूरा किया जाएगा। इन सभी प्रक्रियाओं के पूरा होने पर ही मरीजों के जटिल ऑपरेशन के लिए इस रोबोटिक सिस्टम का इस्तेमाल शुरू होगा। शुरुआती चरण में इस मशीन की मदद से यूरोलॉजी विभाग में प्रोस्टेट कैंसर, किडनी ट्यूमर और मूत्राशय के कैंसर से पीड़ित मरीजों की जटिल शल्य चिकित्सा की जाएगी। आने वाले समय में कार्डियक, गैस्ट्रो, जनरल सर्जरी और स्त्री रोग जैसे विभागों में भी रोबोटिक सर्जरी का विस्तार करने की योजना तैयार की गई है।

अत्याधुनिक तकनीक से सटीक इलाज

द विंची रोबोटिक सिस्टम में चार रोबोटिक आर्म और मुख्य कंसोल होता है। शल्य चिकित्सक कंसोल पर बैठकर 3डी हाई डेफिनिशन कैमरे से मिलने वाले दृश्यों के आधार पर रोबोटिक आर्म को नियंत्रित करते हैं। इस तकनीक की सहायता से डॉक्टर शरीर के अत्यधिक संवेदनशील और छोटे हिस्सों में अधिक सटीकता से शल्य चिकित्सा कर पाते हैं। पारंपरिक ओपन सर्जरी की तुलना में इस आधुनिक प्रणाली से बहुत छोटे चीरे लगाकर ऑपरेशन संभव होते हैं। इससे मरीज को शल्य चिकित्सा के दौरान कम दर्द होता है और रक्तस्राव भी कम रहता है। इसके साथ ही मरीज की अस्पताल में रुकने की अवधि घटने की संभावना बनी रहती है।

स्थानीय स्तर मिल सकेगा सस्ता इलाज

उन्नत रोबोटिक शल्य चिकित्सा कराने के लिए मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को दिल्ली, मुंबई तथा चेन्नई जैसे दूरदराज के महानगरों का रुख करना पड़ता है। निजी चिकित्सा संस्थानों में इस प्रकार के उच्चस्तरीय उपचार का खर्च बहुत अधिक रहता है। सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में यह सुविधा उपलब्ध होने से आम लोगों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। हालांकि, इलाज पर होने वाला वास्तविक व्यय संबंधित बीमारी की स्थिति, आवश्यक जांचों तथा भर्ती रहने के दिनों पर निर्भर करेगा।

प्रथम चरण में सर्जनों का प्रशिक्षण

एम्स प्रशासन ने इस प्रणाली के सुचारू संचालन के लिए पहले चरण में 20 सर्जनों को विशेष प्रशिक्षण देने की योजना बनाई है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रोबोटिक सिस्टम के सफल इंस्टॉलेशन के तुरंत बाद शुरू होगा। विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत डॉक्टर रोबोट के जरिये शल्य क्रिया करेंगे। इस व्यवस्था से भविष्य में अन्य विभागों को भी लाभ मिलेगा तथा मध्य प्रदेश समेत निकटवर्ती राज्यों के मरीजों को अपने ही क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा मिल सकेगी।

कार्तिक कृष्ण पक्ष -7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 115 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
01 नवंबर 2026 रविवार

आज का मौसम
26.0 अधिकतम
18.4 न्यूनतम

Page-7

रामलीला मैदान में विपक्ष की महारैली... सीईसी ज्ञानेश गुप्ता के इस्तीफे की मांग

इंडिया ब्लॉक का संदेश-हम एक हैं काउंटर रैली... सड़कों पर भाजपाई

मल्लिकार्जुन खड़गे के घर से खुली गाड़ी में निकले राहुल, प्रियंका, ममता, अखिलेश और तेजस्वी

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और एसएआर को रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की महारैली शुरू हो गई है। इसे 'वोट बचाओ - देश बचाओ रैली' का नाम दिया गया है। दोपहर एक बजे तक रामलीला मैदान खचाखच भर गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के आलावा विपक्ष के अन्य प्रमुख नेता अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, फारुख अब्दुल्ला आदि सुबह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर पहुंचे और वहाँ से ओपन एयर सफारी गाडी से रवाना हुए। उनके साथ अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी समेत अन्य नेता सवार थे। सभी नेता पहले नेता पहले मिंटो जंक्शन पहुंचें और फिर वहाँ से रामलीला मैदान तक मार्च निकाला जा रहा है।

रैली में एसआई आर का विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठेगी। विपक्ष ने 10 लाख लोगों के जुटने का दावा किया है, जबकि दिल्ली पुलिस का अनुमान 50 हजार लोगों का है। रैली स्थल पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। राहुल गांधी ने X पर मैदान तक पहुंचने का मैप शेयर करते हुए लिखा 'दिल्ली तैयार हो जाओ।'

रामलीला मैदान तक मार्च के लिए विशेष रूप से खुले वाहनों का इंतजाम किया गया है। सबसे आगे वाली गाडी में आगे की सीट पर राहुल गांधी बैठे जबकि पीछे प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, फारुख अब्दुला और सुप्रिया सुले मौजूद रहे। उल्लेखनीय होगा कि पिछले 25 दिनों में विपक्षी दल इस मुद्दे पर सातवीं बार एकजुट हुए हैं। इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच छह बार प्रदर्शन हो चुके हैं। कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचे हैं। मध्यप्रदेश से ही करीब 20 हजार कार्यकर्ता पहुँचने का दावा किया गया है। उधर, कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने एक बार फिर रैली से कारोबार और ट्रांसपोर्ट प्रभावित होने की आशंका जताई है। चेयरमैन बृजेश गोयल ने राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर कहा कि इससे 2.5 लाख दुकानें बंद रह सकती हैं और 10 से 12 हजार करोड़ रुपए के कारोबार पर असर पड़ सकता है।

भाजपा का विरोध मार्च

विपक्ष की रैली को ध्यान में रखते हुए आज ही सिख विरोधी दंगों और नरसंहार की याद में दिल्ली के हरि नगर समेत विभिन्न स्थानों पर भाजपा द्वारा विरोध मार्च निकाला जा रहा है। दिल्ली में इसका नेतृत्व हरदीप सिंह पुरी सहित अन्य नेता कर रहे हैं। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस ने जानबूझकर यह तारीख चुनी है ताकि पुराने जख्म हरे किए जाएं। इसे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा का नाम दिया गया है। पार्टी के अध्यक्ष नितिन नबीन हरियाणा के रोहतक में निकाली जा रही रैली में शामिल हो रहे हैं। इस पूरे अभियान और काउंटर रणनीति के तहत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा अन्य वरिष्ठ नेता अलग-अलग राज्यों में पदयात्राओं में शामिल होंगे।

55 जिलों की मिट्टी से रोपा संकल्प वृक्ष

सीएम बोले- सेना के शौर्य से शुरू होगा एमपी का युवा वर्ष

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शौर्य स्मारक में आयोजित कार्यक्रम में सैन्य इवेंट प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर भोपाल के शौर्य स्मारक में सेना दिवस-2027 के आयोजनों की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सुदर्शन चक्र कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने यहां संकल्प वृक्ष लगाया। इसमें प्रदेश के सभी 55 जिलों से लाई गई मिट्टी मिलाई गई। एनसीसी कैडेट्स ने अपने-अपने जिलों से मिट्टी इकट्ठा कर कलशों में भोपाल पहुंचाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना और एनसीसी ने संकल्प वृक्ष के जरिए अनूठा प्रयोग किया है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में कार्यक्रम आयोजित कर वहां की मिट्टी इकट्ठा की गई। इसके बाद सभी जिलों की मिट्टी को एक साथ पौधे में मिलाया गया। यह प्रदेश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। युवा वर्ष की शुरुआत सेना के शौर्य और पराक्रम के आयोजन से होना प्रदेश के लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने इस पहल के लिए सेना और एनसीसी को बधाई दी।

मप्र स्थापना दिवस समारोह आज से... मोनाली ठाकुर की प्रस्तुति होगी मुख्य आकर्षण

मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस समारोह आज से शुरू हो रहा है। तीन दिवसीय आयोजन का मुख्य समारोह आज शाम 6:30 बजे लाल परेड ग्राउंड में शुरू होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समारोह का शुभारंभ करेंगे। खास बात यह है कि आम नागरिक बिना किसी प्रवेश पत्र या पास के कार्यक्रम में शामिल हो सकेंगे। इस वर्ष समारोह की थीम 'विरासत से विकास के पथ की ओर अग्रसर प्रदेश' रखी गई है। उद्घाटन समारोह में गायिका मोनाली ठाकुर मुंबई के कलाकारों के साथ सुगम संगीत की प्रस्तुति देंगी। वहीं, 71 बच्चे सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन करेंगे। इसके बाद मध्यप्रदेश पुलिस बैंड राष्ट्रगान प्रस्तुत करेगा और आतिशबाजी के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

न्यूज विंडो

अंतिम टी-20 मुकाबला टीम इंडिया की बैटिंग

हैमिल्टन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला आज हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। वहीं, भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने इस सीरीज में पहला टॉस हारे हैं। भारतीय टीम में भुवनेश्वर कुमार और वरुण चक्रवर्ती की वापसी हुई है। वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में मौका नहीं मिला है।

जापान के तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट नहीं

टोक्यो। जापान के मी प्रांत के तट के पास आज सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से करीब 110 किलोमीटर दक्षिण में था। त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। फिलहाल किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

आज से लागू हुए पांच बड़े बदलाव

अनजान कॉल पर दिखेगा नाम कमर्शियल सिलेंडर 17 रु. महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

नवंबर 2026 की शुरुआत के साथ देश में आम लोगों और कारोबारियों से जुड़े 5 बड़े बदलाव हुए हैं। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 17 रुपए तक बढ़ गए हैं, जबकि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

इसके अलावा अब अनजान नंबर से कॉल आने पर मोबाइल स्क्रीन पर कॉल करने वाले का नाम भी दिखाई देगा। इसके लिए किसी थर्ड पार्टी ऐप की जरूरत नहीं होगी। वहीं, टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले निजी वाहन मालिकों को 1 साल का लोकल FASTag पास मिलेगा। इसके लिए 1,500 या 3,000 रुपए की तय फीस देनी होगी।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए भी बदले नियम

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए भी नियम बदले हैं। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट रूप से चुना जाएगा। रेगुलर प्लान लेने पर अतिरिक्त खर्च की जानकारी भी देनी होगी। इसके साथ ही छोटे ऑनलाइन विक्रेताओं के लिए दूसरे राज्यों में कारोबार करना आसान होगा। वे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के गोदाम के पते का इस्तेमाल GST रजिस्ट्रेशन के लिए कर सकेंगे। इन बदलावों से आम उपभोक्ताओं, निवेशकों और छोटे कारोबारियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

ट्रेकिंग के दौरान छह भारतीय लापता सेना ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

नेपाल। नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। सभी पर्यटक नेपाल की सबसे गहरी झीलों में से एक शे-फोक्सुंडो की ट्रेकिंग पर निकले थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पर्यटक डोल्पो बुद्ध ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर चार और आठ से झील की ओर जा रहे थे। उन्हें आखिरी बार शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड चार और आठ के बीच स्थित नुमला पास और बागला पास के इलाकों में देखा गया था। इनकी तलाश के लिए सेना ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

मणिपुर में दो अलग घटनाओं में 5 की मौत, नोनी में कई घंटे फायरिंग

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में दो अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। नोनी जिले के केकरू नगा गांव में दो हथियारबंद गुटों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी हुई। इसमें कुकी समुदाय के 3 लोगों की जान चली गई। वहीं, कांगपोकपी जिले में 29 अक्टूबर से लापता दो युवकों के शव रविवार को मिले। दोनों युवक ताफौ कुकी गांव से लापता हुए थे। इस साल मणिपुर में हिंसा से जुड़ी घटनाओं में करीब 100 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा में 300 से ज्यादा लोगों की जान गई थी।

प्रदूषण रोकने के लिए आज से पाबंदियां... पार्किंग फीस भी कर दी गई दोगुनी

दिल्ली में 50% वर्क फ्रॉम होम, पुरानी गाड़ियों पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों में होने वाले प्रदूषण पर काबू पाने के लिए आज से नए प्रतिबंध लागू हो गए हैं। अब दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड BS-VI से कम मानक वाली गाड़ियां राजधानी में नहीं आ सकेंगी।

सरकारी और प्राइवेट कंपनियों के ऑफिस में आधे कर्मचारी घर से काम करेंगे। कई सार्वजनिक पार्किंग में फीस भी दोगुनी कर दी गई है। हालांकि, दिल्ली की हवा में पिछले 8 साल के मुकाबले सुधार दर्ज किया गया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर में औसत एक्यूआई 166 रहा, जो 2018 के बाद इस महीने का सबसे कम स्तर है।

हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक लागू रहेगा विंटर प्लान: दिल्ली सरकार ने जुलाई 2026 में विंटर पॉल्यूशन एक्शन प्लान को मंजूरी दी थी। इसके तहत हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक प्रदूषण रोकने के उपाय लागू किए जाएंगे। इस बार भी आज से इन प्रतिबंधों की शुरुआत हो गई है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | **ग्रामीण विकास में योगदान के लिए मेरठ के प्रशांत को मिला रोहिणी नैय्यर पुरस्कार**

कभी चौथी कक्षा में हुए फेल... आज 3.5 लाख बच्चों के टेक्नोलॉजी गुरु

नई दिल्ली, एजेंसी

कभी चौथी कक्षा में हिंदी को छोड़कर लगभग हर विषय में फेल होने वाला एक बच्चा आज देश के 3.5 लाख से ज्यादा बच्चों को टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सिखा रहा है। यह कहानी है उत्तर प्रदेश के मेरठ के पास स्थित भगवानपुर गांव में पले-बढ़े प्रशांत चौधरी की। उनकी कहानी बताती है कि किसी बच्चे की प्रतिभा का फैसला उसके रिपोर्ट कार्ड से नहीं, बल्कि उसे मिलने वाले सही मार्गदर्शन और अवसरों से होना चाहिए। 39 वर्षीय प्रशांत चौधरी को 31 अक्टूबर 2026 को ग्रामीण विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए पांचवें रोहिणी नैय्यर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार के साथ 10 लाख रुपये की राशि भी दी गई, जिसे प्रशांत अपनी संस्था को देने की योजना बना रहे हैं।

प्रशांत की शुरुआती पढ़ाई गांव के हिंदी माध्यम स्कूल में हुई थी। बाद में अंग्रेजी माध्यम स्कूल में जाने के कारण उन्हें पढ़ाई समझने में परेशानी होने लगी। चौथी कक्षा में हिंदी को छोड़कर लगभग सभी विषयों में उनके अंक खराब थे। उन्हें लगने लगा था कि शायद उन्हें अगली कक्षा में जाने का मौका भी नहीं मिलेगा। तभी उनकी विज्ञान शिक्षिका मीता सिंह ने उनकी जिंदगी बदल दी। वह बच्चों को उनकी क्षमता के अनुसार सवाल पूछतीं और सही जवाब देने पर प्रोत्साहित करती थीं। एक दिन विज्ञान की कक्षा में लीवर के सिद्धांत पर सवाल पूछते हुए शिक्षिका ने प्रशांत को सबसे आगे पाया और पूरी कक्षा के सामने उन्हें वैज्ञानिक कहकर संबोधित किया। यह छोटी-सी बात उनके मन में गहरी छाप छोड़ गई।

गांव से IIT दिल्ली तक का सफर

कक्षा 11 में अखबार में IIT के बारे में पढ़कर प्रशांत ने वहां पहुंचने का सपना देखा। मेहनत के दम पर वह अपने गांव के पहले विद्यार्थी बने, जिन्होंने IIT में दाखिला लिया। वर्ष 2010 में उन्होंने वहां से पढ़ाई पूरी की। नौकरी के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि टेक्नोलॉजी सीखने के लिए केवल बड़ी डिग्री ही जरूरी नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल भी अहम है। वर्ष 2012 में उन्होंने दोस्तों और रिश्तेदारों को कोडिंग सिखाना शुरू किया। आगे चलकर उन्होंने DevsLane नाम की सॉफ्टवेयर कंपनी बनाई। इस कंपनी का सालाना कारोबार करीब 20 लाख डॉलर तक पहुंचा। वर्ष 2020 में उन्होंने कंपनी से अलग होकर अपना पूरा ध्यान शिक्षा के क्षेत्र में लगाने का फैसला किया।

मोबाइल बना बच्चों की कंप्यूटर लैब

प्रशांत ने CodeYogi Foundation की शुरुआत की। उनका मकसद उन बच्चों तक टेक्नोलॉजी की शिक्षा पहुंचाना था, जिनके स्कूलों में कंप्यूटर लैब, इंटरनेट और प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश के देवास में 16,500 विद्यार्थियों के साथ प्रयोग किया गया। इसमें पता चला कि बच्चे स्मार्टफोन से भी कोडिंग सीख सकते हैं। इसके बाद यह मॉडल तेजी से फैला। आज संस्था नौ राज्यों के 120 जिलों में 3.5 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों तक पहुंच चुकी है। अब संस्था 30 दिनों का AI फ्लुएंसी प्रोग्राम भी चला रही है, जिसमें विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और रोजमर्रा के कामों में AI का इस्तेमाल करना सीखते हैं।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 01 नवंबर 2026

बेहतर जिंदगी

खुश रहने के लिए कोई बड़ा कारण नहीं, छोटी आदतें ही काफी हैं...

खुश रहने के लिए जरूरी नहीं कि जिंदगी में सब कुछ हमारी इच्छा के मुताबिक हो। न बहुत पैसा होना जरूरी है, न बड़ा घर, न कोई बड़ी उपलब्धि और न ही हर दिन कोई खास अवसर। कई बार सुबह की ताजी हवा, चाय की चुस्की, किसी पुराने दोस्त का फोन, परिवार के साथ कुछ पल या किसी अनजान व्यक्ति की मदद करने से भी मन खुश हो जाता है। फर्क सिर्फ इतना है कि हम अक्सर इन छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करने के बजाय उन चीजों के पीछे भागते रहते हैं, जिन्हें अभी हासिल करना बाकी है। नतीजा यह होता है कि उपलब्धियां बढ़ने के बावजूद संतुष्टि कम होती जाती है।

मनोविज्ञान और व्यवहार विज्ञान के अध्ययन बताते हैं कि खुशी केवल बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि हमारी सोच, आदतों और लोगों से जुड़ाव का भी इसमें बड़ा योगदान होता है। इसका मतलब यह नहीं कि परेशानियां, असफलताएं या दुख जीवन में नहीं आएंगे। बल्कि सकारात्मक जीवन जीने का अर्थ है कि कठिन परिस्थितियों के बीच भी अच्छी बातों को देखने और उनसे ऊर्जा लेने की क्षमता विकसित की जाए। इसके लिए बहुत बड़े बदलावों की जरूरत नहीं, रोजमर्रा की कुछ छोटी आदतें भी जीवन के प्रति नजरिया बदल सकती हैं। सुबह उठते ही मोबाइल फोन देखने, संदेश पढ़ने और सोशल मीडिया पर समय बिताने के बजाय दिन की शुरुआत अपने साथ करें। कुछ देर खुली हवा में बैठें, टहलें या शांत मन से चाय पिएं। सुबह की प्राकृतिक रोशनी और हल्की शारीरिक गतिविधि शरीर को सक्रिय करने के साथ मन को भी तरोताजा महसूस कराने में मदद करती है। दिन की शुरुआत में ही दूसरों की खबरों और अपेक्षाओं में उलझने के बजाय अपने लिए कुछ समय निकालना अच्छा रहता है।

रिश्तों को दीजिए थोड़ा समय

खुशी का संबंध केवल खुद से नहीं, दूसरों से भी है। परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, पुराने मित्र को फोन करना, बच्चों के साथ खेलना या किसी बुजुर्ग के पास कुछ देर बैठना मन को संतुष्टि देता है। आज एक ही घर में रहने वाले लोग भी कई बार अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में बातचीत और साथ बिताए जाने वाले पल कम होते जा रहे हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के प्रोफेसर और हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के निदेशक मनोचिकित्सक डॉ. रॉबर्ट वाल्डिंगर के अनुसार, अच्छे और मजबूत रिश्ते खुशहाल तथा स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं। कई दशकों तक चले इस अध्ययन में पाया गया कि परिवार, मित्रों और समुदाय से मजबूत जुड़ाव रखने वाले लोग अधिक खुश और बेहतर स्वास्थ्य वाले होते हैं। इसलिए रिश्तों को बनाए रखने के लिए महंगे उपहार नहीं, समय, बातचीत और अपनापन ज्यादा जरूरी हैं।

हर दिन कुछ नया सीखें

नई भाषा का एक शब्द सीखना, कोई किताब पढ़ना, पौधों की देखभाल करना, खाना बनाने की नई विधि जानना या कोई नया कौशल अपनाना जीवन में उत्साह बनाए रखता है। सीखने की प्रक्रिया केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं होती। उम्र बढ़ने के साथ भी नई चीजें सीखने की रुचि व्यक्ति को सक्रिय और जिज्ञासु बनाए रख सकती है। अपनी पसंद का कोई शौक अपनाना भी इसी दिशा में अच्छा कदम है। संगीत, बागवानी, चित्रकारी, लेखन, फोटोग्राफी या घूमना-फिरना मन को रोजमर्रा की एकरसता से बाहर निकालता है। जरूरी नहीं कि हर शौक से पैसा या कोई उपलब्धि हासिल हो। उसका आनंद लेना ही पर्याप्त है।

तुलना कम, संतोष ज्यादा रखें

दूसरों की सफलता, संपत्ति, जीवनशैली और उपलब्धियों से अपनी तुलना करना असंतोष का कारण बन सकता है। खासकर सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली चमकदार जिंदगी को देखकर कई लोग अपनी उपलब्धियों को छोटा समझने लगते हैं। जबकि हर व्यक्ति की परिस्थितियां, जिम्मेदारियां और जीवन की यात्रा अलग होती है। इसलिए दूसरों से आगे निकलने की लगातार कोशिश के बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान दें। कल की तुलना में आज कुछ बेहतर करना भी उपलब्धि है। अपनी छोटी सफलताओं को पहचानना और उनका आनंद लेना आत्मविश्वास बढ़ाता है। नियमित पैदल चलना, हल्का व्यायाम, योग, प्राणायाम और पर्याप्त नींद अच्छे स्वास्थ्य के साथ मानसिक खुशहाली के लिए भी उपयोगी हैं। शारीरिक गतिविधि तनाव कम करने और मनोदशा बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। इसके लिए महंगे उपकरण या जिम की सदस्यता जरूरी नहीं। अपनी क्षमता के अनुसार रोज कुछ समय चलना भी अच्छी शुरुआत है।

खुशी कोई मंजिल नहीं, रोज का अनुभव है

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के मानव खुशहाली कार्यक्रम के निदेशक और प्रोफेसर डॉ. टायलर वेंडरवीले ने मानव खुशहाली को केवल खुशी या जीवन से संतुष्टि तक सीमित नहीं माना है। उनके शोध में अच्छे स्वास्थ्य, जीवन के उद्देश्य, अच्छे चरित्र और मजबूत सामाजिक संबंधों को भी बेहतर जीवन के महत्वपूर्ण आधार बताया गया है। इसलिए खुश रहने का अर्थ हर समय मुस्कुराते रहना या परेशानियों को नजरअंदाज करना नहीं है। दुख और निराशा भी जीवन का हिस्सा हैं। जरूरत है कि उनके बीच भी उम्मीद, संबंध और छोटी खुशियों के लिए जगह बनाई जाए। दिन में कुछ पल अपने लिए, कुछ अपनों के लिए और कुछ दूसरों की मदद के लिए निकालना जीवन को अधिक अर्थपूर्ण बना सकता है। आखिरकार खुशहाल जिंदगी किसी एक बड़ी उपलब्धि का नाम नहीं, बल्कि रोज किए जाने वाले छोटे-छोटे अच्छे कामों का परिणाम है।

दूसरों के लिए कुछ अच्छा कीजिए

किसी जरूरतमंद की मदद करना, किसी सहकर्मी की प्रशंसा करना, रास्ता पूछने वाले को सही जानकारी देना या किसी बुजुर्ग को सड़क पार कराने में सहायता करना छोटी बातें लग सकती हैं, लेकिन इनसे अपने भीतर भी अच्छा महसूस होता है। मदद करने के लिए हमेशा पैसे की जरूरत नहीं होती। कई बार किसी की बात ध्यान से सुन लेना भी बड़ी मदद होती है। दूसरों के प्रति दयालुता और सहयोग को सकारात्मक मनोविज्ञान में भी महत्व दिया गया है। डॉ. सोनजा ल्यूबोमिर्स्की और उनकी सहयोगी क्रिस्टिन लेयूस के शोध में भी दयालु व्यवहार तथा आभार जैसी गतिविधियों को खुशहाली बढ़ाने वाले उपायों के रूप में समझाया गया है। जरूरी यह है कि मदद दिखावे के लिए नहीं, सहज भाव से की जाए।

जीवन - ज्योति

जिंदगी में ठहराव नहीं, बदलाव ही प्रकृति का नियम है

रमेश भाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

जीवन का सबसे बड़ा सत्य परिवर्तन है। प्रकृति में कुछ भी स्थायी नहीं है। सुबह के बाद शाम आती है, पतझड़ के बाद वसंत आता है और अंधेरी रात के बाद सूरज फिर नई रोशनी लेकर प्रकट होता है। फिर मनुष्य अपने जीवन में बदलाव से इतना घबराता क्यों है? पुराने समय, पुराने रिश्तों, पुरानी परिस्थितियों और पुरानी मान्यताओं को पकड़े रहने की जिद क्यों करता है? जीवन को समझने के लिए सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि परिवर्तन कोई समस्या नहीं, बल्कि जीवन की स्वाभाविक गति है।

रमेशभाई ओझा के प्रवचनों की आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो जीवन में आने वाले बदलावों को सहजता से स्वीकार करना ही समझदारी है। जो समय बीत गया, वह लौटकर नहीं आएगा और जो समय आने वाला है, वह अपने साथ नई संभावनाएं लेकर आएगा। इसलिए बीते हुए कल का बोझ लेकर वर्तमान को दुखी करना उचित नहीं। जीवन का आनंद तभी मिल सकता है, जब मनुष्य समय के साथ आगे बढ़ना सीखे।

हर बदलाव में छिपा होता है अवसर: किसी नौकरी का छूटना, किसी संबंध का समाप्त होना या किसी योजना का असफल हो जाना उस समय बहुत बड़ा संकट लग सकता है। लेकिन कई बार यही परिस्थितियां जीवन में नए रास्ते खोलती हैं। असफलता अनुभव देती है, कठिनाई धैर्य सिखाती है और संघर्ष अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर देता है। आवश्यकता केवल इतनी है कि निराशा को स्थायी निवास न बनाने दिया जाए। जो बीत गया, उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। हर सुबह इस बात का संकेत है कि जीवन ने एक और अवसर दिया है। इसलिए बीती हुई गलतियों को बार-बार याद करने के बजाय उनसे मिली सीख को अपने व्यवहार में उतारना अधिक उपयोगी है।

शरीर की उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन विचारों की उम्र बढ़ जाना जरूरी नहीं। नई चीजें सीखने, नए लोगों से मिलने और नए अनुभव प्राप्त करने की इच्छा जीवन को जीवंत बनाए रखती है। उम्र चाहे कोई भी हो, मन में जिज्ञासा और कुछ नया करने का उत्साह बना रहना चाहिए। कभी कोई नया शौक अपनाना, कभी किसी पुराने मित्र से मिलना, कभी अपनी गलती स्वीकार करना और कभी किसी दूसरे के दृष्टिकोण को समझना भी बदलाव का हिस्सा है। दूसरों को बदलने की अपेक्षा स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास अधिक सार्थक है।

पुरानी सोच से बाहर निकलें

कई बार जीवन में सबसे बड़ी बाधा परिस्थितियां नहीं, बल्कि अपनी पुरानी सोच होती है। यह मान लेना कि जो पहले होता आया है, वही हमेशा सही रहेगा, आगे बढ़ने के रास्ते बंद कर देता है। समय बदलता है, समाज बदलता है, तकनीक बदलती है और लोगों की जरूरतें भी बदलती हैं। ऐसे में विचारों का विकसित होना जरूरी है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुराने संस्कार, अनुभव और मूल्य छोड़ दिए जाएं। बल्कि अच्छे संस्कारों को बनाए रखते हुए नई परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालना चाहिए। पेड़ अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, लेकिन नई पत्तियां और शाखाएं भी विकसित करता है। यही संतुलन मनुष्य के जीवन में भी आवश्यक है।

नॉलेज स्टोरी

जहरीले सांप के जहर से बनी हाई ब्लड प्रेशर की जीवनरक्षक दवा

ब्राजील के जंगलों में पाया जाने वाला एक बेहद जहरीला सांप कभी इंसानों के लिए मौत का कारण बनता था, लेकिन इसके जहर में छिपे एक वैज्ञानिक रहस्य ने मेडिकल साइंस की दुनिया बदल दी। इसी जहर पर हुई रिसर्च से हाई ब्लड प्रेशर की दवा कैप्टोप्रिल (Captopril) विकसित हुई, जिसने दुनियाभर के करोड़ों मरीजों के इलाज में अहम भूमिका निभाई। इस कहानी का मुख्य किरदार है ब्राजीलियन लान्सहेड, जिसे जाराराका सांप भी कहा जाता है। यह पिट वाइपर प्रजाति का बेहद जहरीला सांप है। इसके काटने से शरीर का ब्लड प्रेशर तेजी से गिर सकता है।

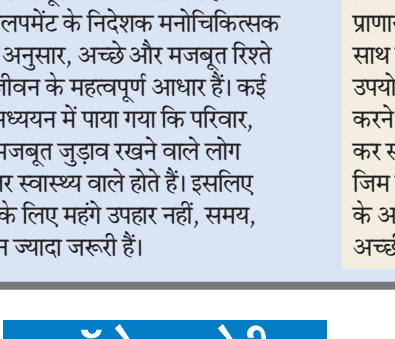

1960 के दशक में वैज्ञानिकों ने इसके जहर पर शोध शुरू किया। वे जानना चाहते थे कि आखिर इस जहर में ऐसा क्या है, जो शरीर के ब्लड प्रेशर को अचानक प्रभावित कर देता है। इस खोज में ब्राजील के फार्माकोलॉजिस्ट सर्जियो फेरेरा की अहम भूमिका रही। वर्ष 1965 में उन्होंने अपनी रिसर्च के जरिए पता लगाया कि सांप के जहर में मौजूद कुछ खास पेप्टाइड्स शरीर में ब्रेडिकिनिन नामक पदार्थ का असर बढ़ाते हैं। ब्रेडिकिनिन रक्त वाहिकाओं को फैलाने में मदद करता है, जिससे ब्लड प्रेशर कम होता है। इस खोज ने वैज्ञानिकों को हाई BP के इलाज का नया रास्ता दिखाया। शोध में पता चला कि शरीर में मौजूद ACE नामक एंजाइम ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह एंजियोटेंसिन-I को एंजियोटेंसिन-II में बदलता है। एंजियोटेंसिन-II रक्त वाहिकाओं को सिकोड़कर ब्लड प्रेशर बढ़ाता है। इसके अलावा ACE एंजाइम ब्रेडिकिनिन को भी तोड़ता है। सांप के जहर में मौजूद कुछ पेप्टाइड्स ACE को रोकने की क्षमता रखते हैं। इससे रक्त वाहिकाएं फैलती हैं और ब्लड प्रेशर कम होता है। वैज्ञानिकों ने पहले टेप्रोटाइड नामक पदार्थ पर प्रयोग किए। यह ब्लड प्रेशर कम करने में प्रभावी था, लेकिन इसे इंजेक्शन के जरिए ही दिया जा सकता था।

इसलिए वैज्ञानिकों ने ऐसी दवा विकसित करने की कोशिश की, जिसे मरीज आसानी से गोली के रूप में ले सकें। लंबे शोध और प्रयोगों के बाद कैप्टोप्रिल तैयार हुई। वर्ष 1981 में अमेरिका की FDA ने इसे हाई ब्लड प्रेशर के इलाज के लिए मंजूरी दी। यह दुनिया की पहली ACE इनहिबिटर दवाओं में शामिल हुई।

आज भी लाखों मरीजों के लिए उपयोगी: कैप्टोप्रिल की खोज के बाद एनालाप्रिल और लिसिनोप्रिल जैसी कई दूसरी ACE इनहिबिटर दवाएं विकसित हुईं। इनका इस्तेमाल हाई BP के अलावा हार्ट फेलियर और कुछ किडनी संबंधी बीमारियों के इलाज में भी किया जाता है।

दिया कबीरा रोय
अंकित पांडे
युवा व्यंग्यकार

ऑनलाइन खरीदारी...बचत कम, खर्चों की डिलीवरी ज्यादा

पहले बाजार जाने के लिए जेब में पैसे रखने पड़ते थे, अब सिर्फ मोबाइल में इंटरनेट होना काफी है। घर बैठे खरीदारी का ऐसा सुख मिला है कि आदमी को बाजार जाने की मेहनत से मुक्ति मिल गई है। अब न धूप की चिंता, न ट्रैफिक का डर और न दुकानदार से मोलभाव करने की जरूरत। बस मोबाइल उठाइए, मनपसंद चीज देखिए और ऑर्डर कर दीजिए। कुछ ही देर में सामान दरवाजे पर हाजिर। हालांकि इस सुविधा ने जेब तक पहुंचने का रास्ता भी उतना ही आसान बना दिया है।

ऑनलाइन खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण है छूट। हर सामान पर ऐसी बचत दिखाई जाती है कि लगता है कंपनी घाटा सहकर ग्राहक की सेवा में जुटी है। पांच हजार का सामान दो हजार में मिल रहा है। ग्राहक खुशी से फूला नहीं समाता। उसे लगता है कि आज दुकानदार को नहीं, बाजार को मात देकर आया है। लेकिन भुगतान के समय पता चलता है कि डिलीवरी चार्ज, प्लेटफॉर्म फीस, पैकिंग शुल्क और न जाने कौन-कौन से छोटे-बड़े खर्च भी साथ में आ गए हैं। छूट देखकर जो मुस्कान आई थी, वह बिल देखकर धीरे-धीरे गायब हो जाती है।

ऑनलाइन खरीदारी में एक और कमाल है। जिस सामान की जरूरत नहीं होती, वही सबसे ज्यादा आकर्षित करता है। मोबाइल पर जूते देखने गए थे, तो साथ में घड़ी, चश्मा, कुर्सी और रसोई का सामान भी पसंद आने लगता है। एक चीज खरीदने के लिए खोला गया ऐप पूरी गृहस्थी का सर्वेक्षण करा देता है। ऊपर से संदेश आता है- 'आपके लिए खास ऑफर!' अब ग्राहक सोचता है कि कंपनी उसे कितना चाहती है। उसे यह पता ही नहीं चलता कि कंपनी उसकी पसंद नहीं, उसकी जेब का पूरा अध्ययन कर चुकी है।

छूट का मनोविज्ञान भी बड़ा दिलचस्प है। सामान की कीमत 999 रुपये लिखी होती है और उसके नीचे 1999 रुपये काटकर दिखाए जाते हैं। ग्राहक को लगता है कि आधी कीमत में खरीदारी कर ली। यह अलग बात है कि उसे यह भी नहीं मालूम कि सामान की वास्तविक कीमत क्या है। दुकानदार पहले मोलभाव करता था, अब मोबाइल स्क्रीन पर लाल अक्षरों में छूट देखकर ग्राहक खुद ही भावुक हो जाता है।

सबसे मजेदार स्थिति तब होती है जब सामान घर पहुंचता है। तस्वीर में जो उत्पाद शानदार दिखाई दे रहा था, असलियत में वह किसी दूर के रिश्तेदार जैसा निकलता है। रंग अलग, आकार छोटा और गुणवत्ता उम्मीद से कम। फिर शुरू होती है वापसी की प्रक्रिया। ग्राहक को सामान लौटाने के लिए कई विकल्पों, कारणों और निर्देशों से गुजरना पड़ता है। कभी पिकअप की तारीख आगे बढ़ती है, कभी रिफंड का इंतजार करना पड़ता है। तब समझ आता है कि खरीदना आसान था, लौटाना किसी परीक्षा से कम नहीं।

घर के लोग भी ऑनलाइन खरीदारी के इस उत्सव में शामिल हैं। हर सदस्य का अपना ऐप, अपनी इच्छा और अपनी कार्ट है। किसी को ऑफर चाहिए, किसी को कैशबैक और किसी को मुफ्त डिलीवरी। घर में सामान आता रहता है, लेकिन बचत का हिसाब कोई नहीं रखता। महीने के अंत में बैंक का संदेश सारी खुशियों का लेखा-जोखा सामने रख देता है। ऑनलाइन खरीदारी बुरी नहीं है। सुविधा है, समय बचाती है और कई बार सचमुच सस्ता सामान भी उपलब्ध कराती है। लेकिन हर छूट बचत नहीं होती और हर ऑफर जरूरत नहीं बन जाता। असली समझदारी खरीदारी करने में नहीं, जरूरत पहचानने में है। अब तो हालत यह है कि सामान की डिलीवरी से पहले बचत की उम्मीद घर पहुंचती है और बिल आने के बाद पता चलता है कि बचत तो रास्ते में ही कहीं खो गई। सामान कम मंगाइए, जरूरत ज्यादा समझिए। वरना एक दिन डिलीवरी वाला दरवाजे पर आएगा और बैंक का संदेश मोबाइल पर पूछेगा- घर में नया सामान आया या पुरानी बचत चली गई?

अजब - गजब

आरा का बाजार, नालियों की गंदगी से मिलता है सोना!

आमतौर पर नालियों में जमा गंदगी और कीचड़ को लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन बिहार के आरा शहर में यही कचरा कुछ लोगों के लिए कमाई का जरिया बना हुआ है। यहां लोग नालियों की गाद, दुकानों की धूल और घरों के झाड़ू-कचरे में सोने के बारीक कण तलाशते हैं। हैरानी की बात यह है कि इस अनोखे काम के लिए राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से भी लोग पहुंचते हैं।

आरा के गुदरी बाजार और जगजीवन मार्केट में सोने-चांदी के गहनों का बड़ा कारोबार होता है। यहां कारीगर आभूषण बनाने, उनकी कटिंग, घिसाई और पॉलिशिंग का काम करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सोने के बेहद छोटे कण निकलते हैं। ये कण इतने बारीक होते हैं कि कई बार नंगी आंखों से दिखाई भी नहीं देते। दुकानों की सफाई के दौरान ये सोने की धूल मिट्टी और बुरादे में मिल जाती है। फिर पानी के साथ बहकर नालियों तक पहुंच जाती है। कुछ लोग आरा के बाजारों में नालियों की गाद इकट्ठा करते हैं। इसके बाद मिट्टी और कचरे को पानी से धोकर तथा अलग-अलग तरीकों से छानकर सोने के बारीक कण निकालने की कोशिश की जाती है। हालांकि, यह काम बिल्कुल आसान नहीं है। कई-कई घंटे मेहनत करने के बाद भी कभी कुछ खास हाथ नहीं लगता। वहीं, कभी थोड़ी-सी गाद से भी सोने के कण मिल जाते हैं। यानी मेहनत के बावजूद कमाई की कोई गारंटी नहीं होती। इस कारोबार की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां सिर्फ नालियों का कचरा ही कीमती नहीं माना जाता। कुछ घरों में महिलाएं सालभर झाड़ू लगाने से निकली धूल और बुरादे को भी इकट्ठा करके रखती हैं। खासकर दिवाली के आसपास जब घरों की सफाई होती है, तो जमा किए गए इस कचरे को खरीदारों को बेचा जाता है। माना जाता है कि आभूषण बनाने और उनकी पॉलिशिंग के दौरान सोने के छोटे कण घरों की धूल तक पहुंच सकते हैं। आरा के गुदरी बाजार और जगजीवन मार्केट की यह अनोखी परंपरा बताती है कि सोने का एक-एक कण कितना कीमती होता है।

56 साल में पहली बार इज्तिमा-बाजार का संचालन करेगा वक्फ बोर्ड

20 साल से एक ही समाज के पास थीं दुकानें, अब सभी को अवसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के ऐतिहासिक इज्तिमा बाजार के संचालन की जिम्मेदारी अब दारुल शफकत सोसाइटी के बजाय मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड संभालेगा। करीब 56 साल से बाजार का संचालन कर रही सोसाइटी ने इसकी जिम्मेदारी बोर्ड को सौंपने पर सहमति दे दी है। इसके साथ ही इस बार दुकानों का आवंटन भी नई व्यवस्था के तहत होगा। वक्फ बोर्ड ने पहली बार सार्वजनिक निविदा जारी कर सभी व्यापारियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।बोर्ड का कहना है कि इससे वर्षों से चली आ रही दुकान आवंटन की व्यवस्था बदलेगी और नए व्यापारियों को भी कारोबार का मौका मिलेगा।

वक्फ बोर्ड ने 29 अक्टूबर को निविदा सूचना जारी कर 7 दिसंबर 2026 से 6 फरवरी 2027 तक लगने वाले बाजार के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। दुकानों के आवंटन के साथ बिजली, साफ-सफाई और सीसीटीवी कैमरों के संचालन के लिए भी अलग-अलग टेंडर बुलाए गए हैं।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि बोर्ड के इतिहास में पहली बार इज्तिमा बाजार में सभी व्यापारियों को समान अवसर दिया जा रहा है। पहले जिन लोगों ने 20 साल पहले दुकानें ली थीं, अगली पीढ़ी में भी उन्हीं के परिवारों को दुकानें मिलती रहीं। इस कारण नए व्यापारी बाजार में जगह नहीं बना पाते थे। अब सार्वजनिक निविदा के जरिए सभी को अवसर मिलेगा। बाजार से होने वाली आय के सवाल पर पटेल ने कहा कि बोर्ड कानून के मुताबिक काम करेगा। आय बढ़ाने के लिए कोई ऐसा कारोबार नहीं किया जाएगा, जो कानून के दायरे से बाहर हो।

जमीन को लेकर विवाद के बाद सोसाइटी ने सौंपी जिम्मेदारी

दारुल शफकत सोसाइटी की कार्यकारिणी के सदस्य परवेज खान के मुताबिक, बाजार की जमीन और प्रबंधन को लेकर लंबे समय से वक्फ बोर्ड के साथ विवाद चल रहा था। इसके बाद सोसाइटी की कार्यकारिणी और जनरल बॉडी ने पूरी संपत्ति को वक्फ संपत्ति मानने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि सोसाइटी ने बोर्ड को लिखित सहमति दे दी है और संपत्ति को लेकर हाईकोर्ट में चल रहा केस भी वापस ले लिया है। सोसाइटी को आशंका थी कि संपत्ति को वक्फ संपत्ति नहीं मानने पर उसे सरकारी संपत्ति घोषित किया जा सकता है। ऐसे में वर्षों से संचालित संस्था और उसकी संपत्ति समुदाय के हाथों से निकल सकती थी।

2005 से अब तक के ऑडिट और वित्तीय रिकॉर्ड सौंपेगी सोसाइटी

परवेज खान ने बताया कि सोसाइटी वर्ष 2005 से अब तक के ऑडिटेड अकाउंट, चार्टर्ड अकाउंटेंट की रिपोर्ट और बाजार से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड वक्फ बोर्ड को सौंपेगी। इस अवधि का निर्धारित निगरानी चंदा भी बोर्ड में जमा कराया जाएगा। उनके मुताबिक, पहले बोर्ड की ओर से करीब 28 करोड़ रुपए की आमदनी का आंकड़ा बताया गया था। सोसाइटी का पक्ष था कि निगरानी चंदे की गणना वास्तविक आय के आधार पर होनी चाहिए। इसी कारण पूरे ऑडिटेड खाते उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। परवेज खान के अनुसार, पहले बाजार में दुकान आवंटन की प्रक्रिया पुरानी रसीद के आधार पर चलती थी। पिछले साल दुकान लगाने वाले व्यापारी को प्राथमिकता दी जाती थी और किराए में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि कर नई रसीद जारी कर दी जाती थी। इस व्यवस्था में नए व्यापारियों के लिए खुली प्रतिस्पर्धा का अवसर नहीं था। अब बोर्ड सार्वजनिक निविदा के जरिए दुकानें आवंटित करेगा। सोसाइटी ने दुकानदारों के नाम, मोबाइल नंबर, आधार नंबर और उनसे ली गई राशि का रिकॉर्ड भी बोर्ड को सौंप दिया है। इज्तिमा बाजार से होने वाली आय का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा दारुल शफकत सोसाइटी के यतीमखाने के संचालन पर खर्च होता था। परवेज खान ने बताया कि सोसाइटी ने वक्फ बोर्ड से नई व्यवस्था में भी यतीमखाने के लिए बजट उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

रेप के मामलों पर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की रिसर्च

सजा-ए-मौत का प्रावधान, फिर भी नहीं बदल रही है हैवानों की सोच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध के लिए कानून में फांसी से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है, लेकिन क्या कठोर सजा का डर अपराधियों की मानसिकता बदल पा रहा है? भोपाल की नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) के एक विस्तृत शोध ने इस सवाल पर गंभीर चिंता जताई है। अध्ययन में सामने आया कि कई दुष्कर्म के दोषियों को महिलाओं की स्वतंत्रता, समानता और यौन संबंधों में सहमति के महत्व तक की समझ नहीं थी। कुछ दोषी तो अपने अपराध को गलत मानने के लिए भी तैयार नहीं थे। शोध का निष्कर्ष है कि अपराध रोकने के लिए केवल कठोर सजा नहीं, बल्कि बचपन से ही सोच और सामाजिक व्यवहार में बदलाव जरूरी है।

एनएलआईयू के विधि शोधार्थी और अधिवक्ता डॉ. प्रखर बजाज ने इस विषय पर छह साल तक शोध किया। इसके तहत भोपाल, इंदौर और ग्वालियर की केंद्रीय जेलों में बंद दुष्कर्म के 300 दोषियों का साक्षात्कार लिया गया। इसके अलावा 60 पुलिस अधिकारियों, 20 जेल अधिकारियों और 53 विधि विशेषज्ञों से भी बातचीत की गई। कुल 433 लोगों से मिली जानकारी के आधार पर अपराधियों की मानसिकता, सामाजिक पृष्ठभूमि और कानून के प्रभाव का विश्लेषण किया गया। शोध के आंकड़े अपराध की गंभीरता को उजागर करते हैं। अध्ययन में शामिल 300 दोषियों में से 154 मामलों में पीड़िताएं नाबालिग थीं। वहीं, 34 मामलों में दुष्कर्म के बाद पीड़िता की हत्या कर दी गई। कुल 246 दोषियों की उम्र 18 से 39 वर्ष के बीच थी, जबकि 109 निरक्षर पाए गए। ये आंकड़े बताते हैं कि इस अपराध के पीछे केवल अशिक्षा या किसी एक सामाजिक वर्ग को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

महिलाओं की आजादी और कपड़ों से भी परेशानी

शोध के दौरान कई दोषियों की महिलाओं के प्रति संकीर्ण और भेदभावपूर्ण सोच सामने आई। कुछ को महिलाओं के छोटे कपड़े पहनने, घर से बाहर निकलने और नौकरी करने जैसी स्वतंत्रताओं पर आपत्ति थी। यहां तक कि वे अपने परिवार की महिलाओं के रोजगार करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के भी खिलाफ थे। शोधकर्ता के अनुसार, महिलाओं को बराबरी का अधिकार नहीं देने और उनकी स्वतंत्रता को स्वीकार नहीं करने वाली सोच समाज के लिए गंभीर चुनौती है। ऐसी मानसिकता में महिला की इच्छा और सहमति का सम्मान नहीं किया जाता। अध्ययन में 300 में से 221 दोषियों ने अपने अपराध पर पछतावा जताया। कई ने स्वीकार किया कि उनके एक गलत कदम ने पूरे परिवार की जिंदगी प्रभावित कर दी। हालांकि, कुछ दोषियों ने अपने कृत्य को अपराध मानने से ही इनकार कर दिया।

पहली से आठवीं तक पढ़ाया जाए सहमति और समानता का पाठ

डॉ. बजाज ने अपराधों की रोकथाम के लिए स्कूली शिक्षा में बदलाव की सिफारिश की है। उनका सुझाव है कि पहली से आठवीं कक्षा तक बच्चों को उम्र के अनुसार महिलाओं के सम्मान, लैंगिक समानता और आपसी सहमति की शिक्षा दी जाए। बच्चों को शुरुआत से समझाया जाए कि किसी भी रिश्ते में सहमति अनिवार्य है और महिलाओं को भी पुरुषों के समान स्वतंत्रता तथा अधिकार प्राप्त हैं। इसके साथ वैज्ञानिक और सही यौन शिक्षा को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया है। शोध में यह भी सामने आया कि कई दोषियों को दुष्कर्म के लिए निर्धारित कठोर कानूनी सजा की जानकारी तक नहीं थी। कुछ को यह भी नहीं मालूम था कि महिला की सहमति के बिना यौन संबंध बनाना अपराध है। डॉ. बजाज का मानना है कि भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो कानून के प्रावधानों की जानकारी समाज के हर वर्ग तक पहुंचनी चाहिए।

बैतूल को 443 करोड़ की विकास सौगात, सीएम बोले

गरीब, किसान, युवा-महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

बैतूल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सच्चा वादा-पक्का काम के संकल्प के साथ विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ा रही है। गरीब, किसान, युवा, महिलाओं और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए सरकार लगातार फैसले ले रही है। बैतूल जिले में 443 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी गई है। वहीं, चार जिलों के 3.69 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को 30 करोड़ रुपये से अधिक की बोनस राशि वितरित की गई है। मुख्यमंत्री बैतूल में आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों का परिश्रम प्रदेश की वन संपदा को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। बैतूल में दक्षिण, पश्चिम और उत्तर बैतूल, पांढुर्णा, पूर्व एवं पश्चिम छिंदवाड़ा तथा नर्मदापुरम वन मंडल के संग्राहकों को बोनस दिया गया है। प्रदेश में अब तक तेंदूपत्ता संग्राहकों को 80 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में सिंचाई और बिजली की सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है।

युवाओं के लिए एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए उद्योगों की स्थापना के साथ कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है। सरकार अब तक 85 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दे चुकी है, जबकि एक लाख नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। पुलिस विभाग में 18 हजार से अधिक नियुक्तियां की गई हैं। एक लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। दीपावली से पहले कर्मचारियों को दो प्रतिशत महंगाई भत्ता भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दी जा रही है। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और कक्षा 12वीं के टॉपर्स को स्कूटी दी जा रही है। बैतूल में जनजातीय छात्राओं के लिए 50 करोड़ रुपये की लागत से कन्या शिक्षा परिसर और छात्रावास का भूमि-पूजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कुकरू खामला में 15 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और कॉफी बागान विकसित करने की बात कही। बैतूल-मुलताई में 24 करोड़ रुपये के नए कारखाने लगाए जाएंगे। ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट में सफारी गेट और बटरफ्लाई पार्क भी विकसित किए जाएंगे।

एमपी में अब आसान होगी बोर्ड परीक्षा की तैयारी

माशिमं ने वेबसाइट पर अपलोड किए सैंपल पेपर, समझ सकेंगे अंक विभाजन और प्रश्नों के पैटर्न

दतिया, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की तैयारी को थोड़ा आसान कर दिया है। मंडल ने परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए सभी विषयों के सैंपल पेपर यानी मॉडल प्रश्नपत्र अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। विद्यार्थी इन प्रश्नपत्रों के माध्यम से बोर्ड परीक्षा के प्रश्नों का पैटर्न, अंक विभाजन और सवालों के स्वरूप को समझ सकेंगे। इनका नियमित अभ्यास करने से परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन करने और अपनी तैयारी की कमियों को पहचानने में भी मदद मिलेगी।

विद्यार्थी मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी कक्षा का चयन कर सकते हैं। इसके बाद संबंधित विषय के मॉडल प्रश्नपत्र खोलकर डाउनलोड किए जा सकते हैं। विद्यार्थी सभी विषयों के सैंपल पेपर डाउनलोड कर नियमित अभ्यास करें, ताकि बोर्ड परीक्षा से पहले अपनी तैयारी का बेहतर आकलन कर सकें। इस बार विकल्प का ऑप्शन खत्म कर दिया गया है। दो अंक के अतिलघुउत्तरीय प्रश्नों में विकल्प नहीं दिया जाएगा।

वस्तुनिष्ठ, लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का समझ सकेंगे स्वरूप- बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के दौरान विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह रहती है कि प्रश्नपत्र में किस प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे और उन्हें कितने अंकों के प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए मंडल ने विषयवार मॉडल प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए हैं। इनके अभ्यास से विद्यार्थी वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के प्रारूप को आसानी से समझ सकेंगे। मॉडल प्रश्नपत्रों में दिए गए अंक विभाजन के आधार पर विद्यार्थी यह जान पाएंगे कि किस प्रश्न के उत्तर में कितनी जानकारी लिखनी है। साथ ही निर्धारित अंक योजना के अनुसार उत्तर लिखने का अभ्यास भी कर सकेंगे।

मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र से नहीं होगा कोई संबंध

मंडल ने सैंपल पेपर को लेकर दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इसमें स्पष्ट किया गया है कि पोर्टल पर उपलब्ध माडल प्रश्नपत्रों का मुख्य परीक्षा में पूछे जाने वाले वास्तविक प्रश्नपत्रों से कोई संबंध नहीं होगा। विद्यार्थियों को इन्हें संभावित या विशेष प्रश्नपत्र मानकर तैयारी नहीं करनी चाहिए। इनका उद्देश्य केवल परीक्षा के प्रारूप, प्रश्नों के प्रकार और अंक योजना की जानकारी देना है।

एमपी में 1 दिसंबर से फिर शुरु होगी धान की खरीदी

भोपाल। प्रदेश में गत वर्ष 51.54 लाख टन धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया, लेकिन इसकी मिलिंग अब तक नहीं हो पाई है। 27 लाख टन धान गोदामों में रखा है। उधर, एक दिसंबर से फिर धान के उपार्जन की तैयारी है। इसके लिए 8,68,214 किसानों ने पंजीयन कराया है। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उपार्जन से पहले मिलिंग को लेकर नीति बनाएंगे ताकि समयसीमा में काम पूरा हो सके। धान की मिलिंग करने वाले मिलर्स को एक क्विंटल धान से 67 किलोग्राम चावल बनाकर देना होता है। इसके लिए प्रति क्विंटल मिलिंग चार्ज के साथ 50 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है, मगर मिलर्स अपग्रेडेशन राशि की मांग कर रहे हैं। 2024 तक सरकार ने अपनी ओर से यह राशि दी और फिर बंद कर दिया।

बेस्ट ऑफ फाइव खत्म होने से पढ़ाई की सख्त निगरानी

तीन महीने मॉनिटरिंग, 10वीं में सातों विषयों में पास होना जरूरी, शिक्षकों की ई-अटेंडेंस पर रहेगी नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में दिवाली के बाद स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश के सभी स्कूलों में पढ़ाई की सघन निगरानी करेगा। कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा से बेस्ट ऑफ फाइव योजना खत्म होने के बाद रिजल्ट प्रतिशत घटने की आशंका को देखते हुए विभाग ने यह तैयारी की है। अगले तीन महीने तक स्कूलों में शिक्षकों के पढ़ाने, सिलेबस पूरा कराने और परीक्षा की तैयारी पर विशेष नजर रखी जाएगी। विभाग का प्रयास है कि नई व्यवस्था के बावजूद बोर्ड परीक्षा का परिणाम पिछले वर्षों की तरह बना रहे।

दरअसल, मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में बेस्ट ऑफ फाइव योजना समाप्त कर दी है। अब विद्यार्थियों को सातों विषयों की परीक्षा देनी होगी और प्रत्येक विषय में निर्धारित न्यूनतम अंक हासिल कर पास होना होगा। पहले बेस्ट ऑफ फाइव के तहत पांच विषयों के आधार पर परिणाम तैयार होता था। नई व्यवस्था में सभी विषयों में पास होना अनिवार्य होने से विभाग को रिजल्ट प्रभावित होने की आशंका है।

लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने कहा कि विभाग की कोशिश रहेगी कि किसी भी स्थिति में बच्चों का रिजल्ट प्रभावित न हो। इसके लिए पूरा सिलेबस पढ़ाना और नियमित कक्षाएं संचालित करना जरूरी है। पढ़ाई के साथ परीक्षा की तैयारी के लिहाज से रिवीजन भी कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिवाली के बाद अगले तीन महीने तक पढ़ाई में किसी तरह की लापरवाही नहीं होने दी जाएगी।

ई-अटेंडेंस व्यवस्था भी होगी सख्त

विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की पढ़ाई पर विशेष फोकस रहेगा। इसके साथ स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति की भी निगरानी होगी। शिक्षक न तो देर से स्कूल पहुंच सकेंगे और न ही निर्धारित समय से पहले जा सकेंगे। ऐसे में ई-अटेंडेंस व्यवस्था को भी और सख्त किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 की समय-सारिणी में बदलाव किया है। इसे देखते हुए बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम की भी समीक्षा की जाएगी।

मेट्रो एंकर | गांवों में डॉक्टरों की कमी दूर करने मैदान में उतरे राजेन्द्र शुक्ल,चिकित्सकों से बोले

मरीजों से संवेदनशील व्यवहार कर भरोसा जीते डॉक्टर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने और आम नागरिकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीधी, सिंगरौली और डिंडोरी जिले में पदस्थ बॉन्डेड डॉक्टर्स से संवाद किया। उन्होंने चिकित्सकों को सेवाभाव, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने की नसीहत देते हुए कहा कि डॉक्टर अपने व्यवहार और बेहतर उपचार से ग्रामीणों का विश्वास जीतें।

टेलीमेडिसिन से गांवों तक पहुंचेगा विशेषज्ञ उपचार

उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में टेलीमेडिसिन और ई-संजीवनी का अधिकतम उपयोग करने को कहा। उन्होंने हब एंड स्पोक मॉडल को प्रभावी बनाने के साथ उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर की स्क्रीनिंग बढ़ाने तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को सक्रिय बनाने पर जोर दिया।

डॉक्टरों के व्यवहार से बनेगा भरोसा

चिकित्सकों के अनुभव सुनते हुए उन्होंने कहा कि सेवा भाव, संवेदनशीलता और मधुर वाणी मरीज का आधा कष्ट दूर कर देती है। सीधी के बंजारी, डिंडोरी के जामगांव और सिंगरौली के गन्नई सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के डॉक्टरों ने ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ने की जानकारी दी। अंत में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई, जरूरी स्टाफ और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने के लिए पंचायतों को सुमन पंचायत कार्यक्रम से जोड़ने पर भी बल दिया।

होगी ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था- संवाद के दौरान बताया गया कि सीधी में 16, सिंगरौली में 54 और डिंडोरी में 21 नए बॉन्डेड डॉक्टर पदस्थ किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में काम करना केवल नौकरी नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा का बड़ा अवसर है। चिकित्सक आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के साथ बेहतर समन्वय बनाकर समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं।

टीबी, सिकल सेल और एनीमिया उन्मूलन पर फोकस- राजेन्द्र शुक्ल ने टीबी मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन और एनीमिया मुक्त भारत सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए गर्भवती महिलाओं की शत-प्रतिशत प्रसवपूर्व जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहचान कर उन्हें समय रहते उचित चिकित्सा संस्थानों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए।

न्यूज विंडो

केयरगिवर्स डे पर सहयोगियों का सम्मान बच्चों ने प्रस्तुतियों से जताया आभार

नरसिंहपुर। आरआरआर पब्लिक स्कूल में केयरगिवर्स डे हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केयरगिवर्स चन्दा चडार, सविता यादव, नरबादी बाई एवं छोटी बाई को उपहार और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने भाषण, नृत्य और विभिन्न खेलों के माध्यम से उनके प्रति स्नेह और आभार व्यक्त किया। विद्यालय के चेयरमैन विजय सेन एवं डायरेक्टर प्रियांशी राय ने कहा कि बच्चों की देखभाल, स्वच्छता और दैनिक व्यवस्थाओं में केयरगिवर्स का योगदान महत्वपूर्ण है। कैंपस हेड अशुतोष नेमा सहित समस्त स्टाफ ने आयोजन में सहयोग किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर पुलिस ने लिया अखंडता का संकल्प, हुए आयोजन

सागर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव सिंहा के निर्देशन में जिलेभर में सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एएसपी नरेंद्र सोलंकी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं संप्रभुता बनाए रखने की शपथ दिलाई। जिले के सभी थानों में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड 2026 का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इसमें पुलिसकर्मियों के साथ स्कूली विद्यार्थियों और नागरिकों ने सहभागिता कर सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया।

नरसिंहपुर में कांग्रेस ने इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को किया नमन

नरसिंहपुर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शहर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं के चित्रों पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल और पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने दोनों नेताओं के राष्ट्र निर्माण में योगदान को अविस्मरणीय बताया। पार्षद बॉबी खान ने उनके विचारों को आत्मसात करने की बात कही। शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा सृजन संवाद में विद्यार्थियों ने समझी पुलिस की कार्यप्रणाली

नर्मदापुरम। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में 20 से 31 अक्टूबर तक आयोजित युवा सृजन संवाद अभियान का शनिवार को समापन हुआ। उच्च शिक्षा विभाग और मध्य प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभियान में विद्यार्थियों को कानून, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन ने युवाओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और कानून के सम्मान की सीख दी। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने न्याय प्रणाली की जानकारी दी। टीआई गौरव सिंह बुंदेला और ऊषा मरावी ने हेल्पलाइन नंबर 112 सहित सुरक्षा संबंधी उपाय बताए। विद्यार्थियों ने अधिकारियों से सीधे संवाद कर जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

त्योहारों से पहले मिठाई कारोबारियों पर प्रशासन का शिकंजा, 17 नमूने लिए

बाबई में खुले में रखे 30 किलो रसगुल्ले और मिठाई कराई नष्ट, चलित प्रयोगशाला से 40 खाद्य पदार्थों की जांच

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट और अस्वच्छता रोकने के लिए जिला प्रशासन ने मिठाई दुकानों और निर्माण इकाइयों पर सख्ती बढ़ा दी है। नर्मदापुरम और बाबई में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने औचक निरीक्षण कर 17 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। वहीं, बाबई के राजस्थान मिष्ठान कारखाने में खुले में रखे 30 किलो रसगुल्ले और मिठाई असुरक्षित पाए जाने पर नष्ट कराए गए।

नर्मदापुरम में सिटी मजिस्ट्रेट सीमा बडोले, तहसीलदार सुनील शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी बीएस धाकड़ की टीम ने किशनपुरा स्थित गोवर्धन बेकरी, आगरा स्वीट्स

और धन्ना महाराज कचोरी का निरीक्षण किया। यहां बेसन कुकीज, ब्रेड, केक मिक्स, मावा, बर्फी, तेल, सेव और पेड़े सहित खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए।

बाबई में तहसीलदार सुनीता साहनी और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने तीन प्रतिष्ठानों की जांच की। यहां मिठाई, बर्फी, लड्डू, रसगुल्ले और नमकीन सहित 12 नमूने लिए गए। साथ ही चलित खाद्य प्रयोगशाला से 40 खाद्य पदार्थों की मौके पर जांच की गई। सभी नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।

खुले में मिठाई रखना पड़ा महंगा, 30 किलो माल नष्ट

बाबई स्थित राजस्थान मिष्ठान कारखाने में निरीक्षण के दौरान खुले में रखे रसगुल्ले और मिठाई को खाद्य सुरक्षा टीम ने असुरक्षित पाया। इसके बाद करीब 30 किलो मिठाई मौके पर ही नष्ट कराई गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य पदार्थों को ढंककर रखने, साफ-सफाई बनाए रखने और सुरक्षित भंडारण के निर्देश दिए। टीम ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चलित प्रयोगशाला ने मौके पर की 40 खाद्य पदार्थों की जांच

बाबई में संचालित चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से 40 खाद्य पदार्थों की मौके पर ही जांच की गई। इस पहल का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता के प्रति लोगों को जागरूक करना भी रहा। जांच के दौरान खाद्य कारोबारियों और नागरिकों को मिलावट की पहचान, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तथा सुरक्षित रखरखाव की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान लिए गए 17 नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। वहां से रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कारोबारियों से स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की है।

झरौली के सरकारी स्कूल में बदहाल शिक्षा व्यवस्था की तस्वीर

स्कूल में पढ़ाई की जगह सफाई...किताबों की जगह बच्चों के हाथों में थमाई झाड़ू

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा और सुविधाओं के दावों की जमीनी हकीकत तेंदूखेड़ा मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर दूर ग्राम झरौली में सामने आई है। यहां एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय में बच्चों से झाड़ू-पोंछा लगवाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान छात्र परिसर में झाड़ू लगाते और छात्राएं पोंछा लगाती नजर आईं, जबकि शिक्षक कक्षाओं और कार्यालय में बैठे थे।

स्कूल में पहली से आठवीं तक के करीब 160 बच्चे महज तीन कमरों और दालान में पढ़ने को मजबूर हैं। पेयजल के लिए टंकी तक नहीं है। बच्चे खुद हैंडपंप चलाकर पानी पीते हैं। विद्यार्थियों का आरोप है कि शिक्षक देर से आते हैं और नियमित पढ़ाई नहीं होती। चार महीने बाद भी यूनिफॉर्म नहीं मिली है। मध्याह्न भोजन मेनू के अनुसार नहीं मिलता और भोजन के बाद बच्चों से थालियां भी धुलवाई जाती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। बीआरसी पीएल अहिरवार ने बच्चों से सफाई और थाली धुलवाने के मामलों में संबंधित हेडमास्टर और स्वसहायता समूह पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

भवन की कमी से बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित, कार्रवाई का आश्वासन

झरौली में पहले दो सरकारी स्कूल संचालित थे, लेकिन एक भवन क्षतिग्रस्त होने के कारण पहली से आठवीं तक के करीब 160 बच्चों को एक ही स्कूल में बैठना पड़ रहा है। यहां महज तीन कमरे और दालान उपलब्ध हैं। पेयजल टंकी नहीं होने से बच्चे हैंडपंप चलाकर पानी पीते हैं। मध्याह्न भोजन के बाद बच्चों से थालियां धुलवाने और मेनू के अनुसार भोजन नहीं मिलने की शिकायतें भी सामने आई हैं। बीआरसी तेंदूखेड़ा पीएल अहिरवार ने कहा कि जिन स्कूलों में बच्चों से सफाई और थाली धुलवाई जा रही है, वहां के हेडमास्टर पर कार्रवाई की जाएगी। संबंधित स्वसहायता समूह के खिलाफ भी कार्रवाई के लिए पत्र लिखा जाएगा।

रोज बच्चों से कराई जाती है स्कूल की सफाई

विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया कि उनसे प्रतिदिन कक्षाओं और स्कूल परिसर में झाड़ू लगवाई जाती है। छात्राओं को पोंछा लगाने की जिम्मेदारी भी दी जाती है। बच्चों के मुताबिक स्कूल का समय सुबह 10:30 बजे निर्धारित है, लेकिन शिक्षक कई बार 11 बजे तक पहुंचते हैं। इससे पढ़ाई प्रभावित होती है। विद्यार्थियों का कहना है कि सफाई के काम में समय निकल जाता है और पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया जाता। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि बच्चों को शिक्षा देने के लिए स्कूल भेजा जाता है या उनसे सफाई करवाने के लिए? उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों से नियमित निरीक्षण कर व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

शिक्षकों के शोध से बदलेगी स्कूलों की तस्वीर, जमीनी समस्याओं का होगा समाधान

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

विद्यालयों की शैक्षिक समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक समाधान तलाशने के उद्देश्य से डाइट नरसिंहपुर में आयोजित तीन दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला का 30 अक्टूबर को समापन हुआ। 28 से 30 अक्टूबर तक आयोजित कार्यशाला में जिले के विभिन्न विकासखंडों के 22 शिक्षक-शोधार्थियों ने भाग लिया।

समापन अवसर पर डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने शिक्षकों को विद्यार्थी हित में विद्यालयों की वास्तविक समस्याओं पर क्रियात्मक शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शोध विषयों की उपयोगिता और प्रभावी क्रियान्वयन पर सुझाव दिए। शोध प्रभारी डॉ. अलका शर्मा ने प्रतिभागियों को शोध की अवधारणा, समस्या निर्धारण, उद्देश्य निर्माण और समाधान की रूपरेखा तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में पूर्व और पश्च परीक्षण के जरिए प्रतिभागियों की क्षमता का आकलन भी किया गया। शिक्षकों ने इसे उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे विद्यालयों की समस्याओं को समझने और समाधान की दिशा में काम करने की नई दृष्टि मिली।

टाइगर रिजर्व में वन्यजीव का शिकार!

घर में पक रहा था जंगली सुअर का मांस, आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वन्यप्राणी शिकार के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के घर से 12.500 किलोग्राम जंगली सुअर का पका हुआ मांस और शिकार में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी जब्त की गई है। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

वन विभाग के अनुसार शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि टाइगर रिजर्व के मोहली परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहली निवासी मुकेश पिता धर्मदास अहिरवार के घर में जंगली सुअर का मांस रखा है और उसे पकाया जा रहा है। सूचना पर उपवनमंडल अधिकारी (वन्यप्राणी) रहली के निर्देश पर वन विभाग की टीम ने आरोपी के घर दबिश दी। मौके पर मांस बरामद होने पर उसे जब्त कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने शिकार की बात स्वीकार की। आरोपी के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। शनिवार को रहली न्यायालय में पेश करने पर उसे जेल भेज दिया गया। जब्त मांस का नमूना फॉरेंसिक जांच के लिए वेटरनरी कॉलेज जबलपुर भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस परेड ग्राउंड में मप्र स्थापना दिवस समारोह राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने किया ध्वजारोहण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश का स्थापना दिवस आज जिलेभर में उत्साह, उमंग और गरिमामय वातावरण में मनाया जा रहा है। मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया, जहां प्रदेश की राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, विधायक विजयपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, कलेक्टर आशीष वशिष्ठ और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। समारोह में लगाई गई प्रदर्शनी का अतिथियों ने अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश की गौरवशाली परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा को रेखांकित किया गया। समारोह का समापन मध्य प्रदेश गान और सामूहिक वंदे मातरम् के गायन के साथ हुआ। आयोजन में प्रदेश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया गया।

मेट्रो एंकर

24 घंटे चिकित्सकीय निगरानी और मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश

जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर कलेक्टर सख्त, गंदगी देख जताई नाराजगी

सागर। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, चिकित्सा इकाइयों और सुविधाओं का जायजा लेकर अधिकारियों एवं चिकित्सकों से जानकारी ली। अस्पताल परिसर में गंदगी और गंदे पानी का जमाव मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने इमरजेंसी कक्ष में चिकित्सकों और स्टाफ की ड्यूटी, शिफ्ट परिवर्तन तथा आपातकालीन सेवाओं की जानकारी ली। ओपीडी में मरीजों की संख्या, पर्ची बनाने की प्रक्रिया,

स्टोर रूम और दवा वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, लेबलिंग और वितरण व्यवस्था भी देखी। इसके अलावा उमंग स्वास्थ्य केंद्र, मेडिकल रिकॉर्ड विभाग, डिस्पेंसिंग रूम और सीटी स्कैन की बिलिंग व निर्धारित दरों की जानकारी ली। आईसीयू में सिविल सर्जन डॉ. आरएस जयंत और सीएमएचओ डॉ. देवेश पटेरिया सहित चिकित्सकों के साथ समीक्षा की। उन्होंने 24 घंटे निगरानी, रात्रिकालीन ड्यूटी और आपात स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। डिलीवरी और एनआईसीयू में भर्ती बच्चों की स्थिति की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिला अस्पताल में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार, स्वच्छ वातावरण और बेहतर सुविधाएं मिलना प्राथमिकता है। सभी कमियों को प्राथमिकता से दूर किया जाए। कलेक्टर ने अस्पताल में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं और निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गंदे पानी के जमाव पर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी और गंदे पानी का जमाव मिलने पर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित सफाई एजेंसी को प्रतिदिन बेहतर तरीके से सफाई कराने के निर्देश दिए। परिसर में मच्छर और मक्खियों की समस्या दूर करने के लिए आवश्यक उपाय करने को कहा। पानी के लीकेज सहित अन्य समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है। मरीजों और उनके परिजनों को साफ-सुथरा वातावरण मिलना चाहिए। जरूरत पड़ने पर व्यवस्थाओं में सुधार के लिए विशेषज्ञ कंसल्टेंसी की सहायता भी ली जाए।

तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रहे युवक को रौंदा

तेंदूखेड़ा। झलौन-गोहुची मार्ग पर शनिवार शाम तेज रफ्तार बाइक (एमपी 20 एनपी 4620) ने पैदल जा रहे मौसम (18), पिता कन्हई गौड़ निवासी झलौन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर घायल हो गया। उसके दोनों पैरों में फ्रैक्चर और अंदरूनी चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जबलपुर रेफर किया गया है। आरोपी बाइक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

कार्यालय थाना प्रभारी
थाना निशातपुरा नगरीय पुलिस भोपाल

क्र.था.प्र./901/26/मर्ग. क्र. 71/26 दिनांक 24/10/26

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना निशातपुरा जिला भोपाल (म.प्र.) के मर्ग. क्रमांक 71/26 धारा 194 बी.एन.एस.एस. मे सुन्दर माली पिता पूना जी माली उम्र 48 साल नि. कमल नगर छः घरा करोद भोपाल मोनं.- 9229001146 ने दिनांक 23/09/2026 के सुबह करीबन 8:00 बजे सूचना दिया कि एक अज्ञात व्यक्ति उम्र लगभग 48 साल। जिसे आसपास के लोगो की मदद से उलटपटल कर देखा जो बीमार दिख रहा था उसकी तलाशी ली गई जिसके पास से पहने हुए कपडो के अलावा कुछ नहीं मिला। जिसका कद करीब साढे 05 फीट, चेहरा लम्बा गाल पिचके हुए, चेहरे पर काली सफेद हल्की दाढी है की सूचना पर मर्ग क्र. 71/26 धारा 194 बीएनएसएस का कायम कर जांच में लिया गया। उपरोक्त मृतक के बारे कोई जानकारी प्राप्त हो तो थाना निशातपुरा भोपाल मे संपर्क करें। तथा थाना मोबाईल नंबर 7587601924, 7049106060 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी थाना
निशातपुरा भोपाल (म.प्र.)
Mob.:-7049106060

G-20832/26

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में उलटफेर, ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत खत्म

न्यूजीलैंड नंबर-1, भारत चौथे पायदान पर खिसका

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया पर सीरीज जीत ने बड़ा उलटफेर कर दिया है। इस नतीजे ने न केवल अंकतालिका का समीकरण बदल दिया, बल्कि फाइनल की दौड़ को भी दिलचस्प बना दिया है। न्यूजीलैंड 72.22 अंक प्रतिशत (पीसीटी) के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 71.43 पीसीटी के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हो गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया तीसरे और भारत 51.52 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश की वेस्टइंडीज के खिलाफ हार ने भी भारतीय टीम को अंकतालिका में एक स्थान ऊपर पहुंचने का मौका दिया है।

मौजूदा चक्र में अभी 10 टेस्ट सीरीज खेली जानी बाकी हैं। ऐसे में किसी भी टीम ने फाइनल का टिकट पक्का नहीं किया है। भारत समेत सभी प्रमुख टीमों के पास वापसी का मौका है, लेकिन अब हर मुकाबला फाइनल की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है। न्यूजीलैंड ने अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। हालांकि, कीवी टीम का आगे का सफर आसान नहीं रहने वाला। उसे भारत और श्रीलंका के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर दो-दो टेस्ट खेलने हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर चार और पाकिस्तान में दो टेस्ट मुकाबले खेलने हैं। इस तरह न्यूजीलैंड के सामने अभी आठ टेस्ट मैच बाकी हैं। मौजूदा अंक गणित के अनुसार, इनमें सात जीत हासिल करना उसे शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका की राह में इंग्लैंड सबसे बड़ी चुनौती

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। उसके सात टेस्ट मुकाबले बाकी हैं। इनमें पांच मुकाबले घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं, जबकि श्रीलंका के दौरे पर दो मुकाबले होंगे। घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर दक्षिण अफ्रीका अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की सीरीज उसके लिए बड़ी परीक्षा होगी। यदि टीम घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करती है तो लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उसकी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले अंकतालिका में शीर्ष पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया अब 69.23 पीसीटी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि, उसके पास अभी नौ टेस्ट मुकाबले बाकी हैं और यही उसके लिए वापसी का सबसे बड़ा अवसर है। ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट घरेलू मैदान पर खेलने हैं। इसके बाद भारतीय दौरे पर पांच टेस्ट की चुनौती उसका इंतजार कर रही है। इन दोनों सीरीज के नतीजे तय करेंगे कि ऑस्ट्रेलिया फाइनल की दौड़ में कितनी मजबूती से बना रहता है। भारत के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज उसके लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

भारत के लिए सातों टेस्ट जीतना जरूरी

भारतीय टीम के सामने फाइनल में पहुंचने की चुनौती लगातार कठिन होती जा रही है। फिलहाल 51.52 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर मौजूद भारत को पहले न्यूजीलैंड के दौरे पर दो टेस्ट खेलने हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच मुकाबलों की सीरीज होगी। भारतीय टीम यदि अपने बाकी सभी सात टेस्ट जीतने में सफल रहती है तो उसका अंक प्रतिशत बढ़कर 70.37 तक पहुंच सकता है। यह उसे फाइनल की दौड़ में बेहद मजबूत स्थिति में ला सकता है। वहीं, छह जीत के साथ उसका पीसीटी 65 प्रतिशत तक पहुंचेगा। ऐसी स्थिति में टीम को दूसरी टीमों के प्रदर्शन और अंकतालिका के समीकरण पर भी निर्भर रहना पड़ सकता है। सबसे बड़ी चिंता न्यूजीलैंड दौरा है। यदि भारतीय टीम वहां 0-2 से टेस्ट सीरीज गंवा देती है और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचों मुकाबले जीत भी जाती है तो उसका पीसीटी केवल 59.26 रह जाएगा। ऐसे में फाइनल में जगह बनाना मुश्किल हो सकता है।

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026

महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी जीता खिताब, फाइनल में श्रीलंका को दी मात

अहमदाबाद। कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी खिताबी जीत दर्ज की है। पहले भारतीय महिला टीम ने फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी अपना दम दिखाते हुए श्रीलंका को 54-20 से करारी शिकस्त दी। इस तरह भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। शनिवार को अहमदाबाद में खेले गए पुरुष वर्ग के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स के शानदार तालमेल के सामने श्रीलंकाई टीम पूरे मुकाबले में संघर्ष करती नजर आई। फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से आदित्य शिंदे सबसे सफल रेडर रहे। उन्होंने 14 रेड में 10 रेड पॉइंट हासिल किए, जिनमें चार बोनस पॉइंट भी शामिल थे। भरत हुड्डा ने आठ रेड पॉइंट का योगदान दिया। उन्होंने दूसरे हाफ में सात रेड कीं और इस दौरान एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने छह, जबकि टीम के उपकप्तान नवीन कुमार ने पांच अंक जुटाए। वहीं, डिफेंस में योगेश दहिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाई-फाइव लगाया। उन्होंने पहले हाफ में ही पांच सफल टैकल किए। इसके अलावा शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने दो-दो टैकल पॉइंट हासिल किए।

टेस्ट सीरीज से ठीक पहले यशस्वी जायसवाल का फ्लॉप शो जारी!

अनऑफिशियल टेस्ट में लगातार तीसरी पारी में खामोश रहा बल्ला, बढ़ा दबाव

नई दिल्ली,, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम के स्टार ओपनर यशस्वी जायसवाल की खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ा दी है। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले ही दिन यशस्वी एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। दौरे पर लगातार तीसरी पारी में उनका बल्ला खामोश रहा, जिसके चलते टेस्ट सीरीज से पहले उनके ऊपर दबाव काफी बढ़ गया है। यशस्वी जायसवाल जिस तरीके से अपना विकेट गंवा रहे हैं उस पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत-ए की शुरुआत बेहद खराब रही। मैच के पहले ही ओवर में तेज गेंदबाज फेजर शीट ने यशस्वी जायसवाल को एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। पहले अनऑफिशियल टेस्ट की दोनों पारियों में महज 22 रन (17 और 5) बनाने वाले यशस्वी इस बार भी खाता खोले बिना या सस्ते में निपट गए। यशस्वी के आउट होने के बाद देवदत्त पडिक्कल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश की। सुदर्शन अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन जारोड मैके की बाहर जाती गेंद पर गैर-जिम्मेदाराना शॉट खेलकर कैच दे बैठे। इसके बाद यश राठौड़ भी बाहर की गेंद से छेड़छाड़ करने के चक्कर में आउट हो गए।

पडिक्कल ने खेली 80 रनों की पारी

पहले मैच में शानदार खेल दिखाने वाले कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने एक बार फिर जिम्मेदारी उठाई और 80 रनों की ठोस पारी खेली। हालांकि, वह अपनी इस पारी को शतक में नहीं बदल सके और कट शॉट मारने के प्रयास में गेंद को अपने ही स्टंप्स पर दे मारे। इसके तुरंत बाद स्मरण रविचंद्रन अंदर आती गेंद को लीव करने की गलती कर बैठे और बिना खाता खोले पहली ही गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। भारत-ए के बल्लेबाजों के खराब शॉट सिलेक्शन की वजह से टीम ने लगातार अंतराल पर अपने विकेट गंवाए।भारत-ए ने अपनी पहली पारी में 88 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। पारी के दौरान यशस्वी जायसवाल (0) और स्मरण रविचंद्रन (0) अपना खाता नहीं खोल सके।

टीम संयोजन के फॉर्मूले पर गंभीर सवाल

न्यूजीलैंड ने आखिरकार पांच मैचों की टी-20 सीरीज में जीत का खाता खोल लिया है। शुक्रवार को ऑकलैंड में खेले गए चौथे टी-20 मुकाबले में मेजबान टीम ने भारतीय टीम को 87 रन से करारी शिकस्त दी। दोनों टीमें आज हैमिल्टन के मैदान पर सीरीज की आखिरी भिड़ंत में फिर आमने सामने होंगी। ऐसे में टीम इंडिया के लिए आज के मैच में जीत-हार से कहीं ज्यादा चर्चे एकादश को लेकर हो रहे हैं।लगातार तीन मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम इंडिया की हार ने एक बार फिर उसके टीम संयोजन और रणनीतिक फॉर्मूले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भले ही गंभीर सेना सीरीज में अजेय बढ़त हासिल कर चुकी हो, लेकिन चौथे मुकाबले की हार ने यह साफ कर दिया कि जीत के बीच भी टीम की कुछ कमजोरियां लगातार नजरअंदाज की जा रही थीं।दरअसल, टीम मैनेजमेंट का 3 विशेषज्ञ गेंदबाज, 3ऑलराउंडर और 5 बल्लेबाजों के साथ मैदान में उतरने का फॉर्मूला बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर भले ही कारगर साबित होता हो, लेकिन जब विकेट गेंदबाजों के लिए थोड़ी भी मददगार होती है, तब यही संयोजन टीम के लिए मुसीबत बन जाता है। व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी रही है, लेकिन सिर्फ बल्लेबाजी की गहराई बढ़ाने के चक्कर में गेंदबाजी की मजबूती से समझौता करना भारी पड़ सकता है। अगर ऑकलैंड मुकाबले की बात करें तो अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी और नमन धीर जैसे 3ऑलराउंडरों ने आठ ओवर में 123 रन लुटा दिए। यही वह कमजोर कड़ी थी, जिसने टीम इंडिया के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह बेअसर कर दिया। सवाल यह है कि क्या 3 विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ दो अतिरक्त गेंदबाजों का जिम्मा ऐसे ऑलराउंडरों को सौंपना सही है, जिनकी गेंदबाजी पर टीम हर हालात में भरोसा नहीं कर सकती?मेरे हिसाब में टीम संयोजन में अक्षर पटेल की भूमिका को लेकर भी स्पष्टता जरूरी है। उन्हें या तो पांचवें गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए या सातवें नंबर के बल्लेबाज का किरदार मिलना चाहिए। फिलहाल उन्हें चौथे गेंदबाज और आठवें बल्लेबाज की दोहरी भूमिका में रखा जा रहा है। यह रणनीति तभी सफल हो सकती है, जब बाकी ऑलराउंडर पांचवे गेंदबाज की भूमिका निभाने में सक्षम हों। यदि ऐसा भरोसा नहीं है तो टीम को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करना ही होगा।वैसे इसके अलावा अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों को जरूरत के मुताबिक गेंदबाजी में आजमाकर छह बल्लेबाजों और पांच प्रभावी गेंदबाजों का संतुलन कम से कम टी20 में तो तैयार किया जा सकता है।समस्या यह है कि हेड कोच गौतम गंभीर अपनी रणनीतियों और प्रयोगों को लेकर काफी अड़िग नजर आते हैं। उनकी सोच और क्रिकेट को देखने का नजरिया अपनी जगह सही हो सकता है, लेकिन किसी भी सफल टीम की पहचान सिर्फ उसकी जीत से नहीं, बल्कि हालात के मुताबिक बदलाव करने की क्षमता से भी होती है। लगातार जीत के बाद मिली ऐसी करारी हार को महज एक खराब दिन कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। अगर टीम मैनेजमेंट अपने संयोजन के फॉर्मूले की समीक्षा नहीं करता है तो बड़े मुकाबलों में यही कमजोरी भारतीय टीम की राह में बाधा बन सकती है।अब टीम इंडिया को पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले टी-20 का आखिरी मुकाबला खेलना है। सीरीज के लिहाज से इस मैच के नतीजे का बहुत ज्यादा महत्व नहीं होगा, लेकिन भारतीय टीम के लिए यह अपने संयोजन की खामियों को परखने का आखिरी मौका है। लगातार तीन हार के बाद चौथे मुकाबले में मिली जीत से न्यूजीलैंड टीम का मनोबल जरूर बढ़ा होगा।अब यदि मेजबान टीम इस लय को बरकरार रखती है तो टीम इंडिया के लिए वनडे फॉर्मेट की चुनौती भी आसान नहीं रहने वाली। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को टीम संयोजन के पुराने फॉर्मूले पर अड़े रहने के बजाय आज के मैच में अपनी रणनीति की समीक्षा करनी होगी।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कभी मॉडलिंग से भी घबराती थीं इलियाना डिक्रूज पहली फिल्म से ही जीत लिया फिल्मफेयर अवॉर्ड

मुंबई। ग्लैमर की दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। कई कलाकार ऐसे होते हैं, जिनकी कामयाबी के पीछे संघर्ष, आत्मविश्वास और खुद को साबित करने की लंबी कहानी छिपी होती है। अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज भी उन्हीं सितारों में शामिल हैं। कभी कैमरे के सामने आने से घबराने वाली इलियाना ने मॉडलिंग से शुरुआत की और देखते ही देखते दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अलग पहचान बना ली।

गोवा से शुरू हुआ सफर मॉडलिंग ने खोले रास्ते

इलियाना डिक्रूज का जन्म 1 नवंबर 1986 को मुंबई में हुआ। उनके पिता रोनाल्डो डिक्रूज और मां समीरा डिक्रूज हैं। परिवार मूल रूप से गोवा से जुड़ा है। करीब 10 साल की उम्र में उनका परिवार गोवा चला गया, जहां उन्होंने पढ़ाई पूरी की। बचपन में उन्होंने अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा था। मॉडलिंग की दुनिया में उनकी एंट्री भी संयोग से हुई। उनकी मां जिस होटल में काम करती थीं, वहां के एक मैनेजर ने इलियाना को देखकर मॉडलिंग में करियर बनाने की सलाह दी। हालांकि, शुरुआत में वह कैमरे के सामने सहज नहीं थीं। साल 2003 में उनका पहला मॉडलिंग पोर्टफोलियो तैयार हुआ, लेकिन उन्हें अपना यह अनुभव बिल्कुल पसंद नहीं आया।

बर्फी ने दिलाई देशभर में पहचान

इलियाना के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2012 में आया, जब उन्होंने अनुराग बसु की फिल्म बर्फी से बॉलीवुड में कदम रखा। रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा के साथ नजर आईं इलियाना ने श्रुति घोष का किरदार निभाया। फिल्म में उनकी सहज अदाकारी और भावनात्मक अभिनय को खूब सराहना मिली। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड भी मिला। इलियाना ने बताया था कि बर्फी के लिए हामी भरना उनके लिए आसान नहीं था। गोवा की पृष्ठभूमि से आने के कारण उन्हें 1970 के दशक की बंगाली लड़की का किरदार निभाने को लेकर संकोच था। लेकिन निर्देशक अनुराग बसु के भरोसे ने उन्हें यह चुनौती स्वीकार करने का हौसला दिया। बर्फी के बाद इलियाना ने रुस्तम, मैं तेरा हीरो, मुबारकां, बादशाहो और रेड जैसी फिल्मों में काम किया।

आमिर खान से इंस्पायर्ड शहजाद! 60 की उम्र में तीसरी शादी का प्लान, तीन बच्चों का है पिता

बॉलीवुड के परफेक्शनिस्ट आमिर खान की शादी की सिर्फ चर्चा नहीं बल्कि मिसाल दी जाने लगी हैं। इंडस्ट्री के आइकॉनिक विलेन अजित के बेटे शहजाद खान भी उनसे इंस्पायर्ड हैं। वो 60 साल के हो चुके हैं लेकिन अब भी दो और शादियां करने की इच्छा रखते हैं। ये रेवेलेशन उन्होंने हाल ही में किया।

आमिर और शहजाद का पुराना नाता रहा है। आमिर ने जबसे गौरी स्प्रैट से 60 की उम्र में तीसरी शादी की है, उनकी निजी संबंधों पर लोग खुलकर बात करने लगे हैं। इसी का जिक्र करते हुए शहजाद ने भी अपनी बात कही। अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करते हुए शहजाद ने एएनआई से कहा कि- मेरी भी दो बीवियां हैं। एक एक्स और एक प्रेजेंट। हम आमिर खान की सोच से आते हैं। अभी भी बहुत कुछ हो सकता है। मेरे पास दो ऑप्शन बाकी हैं। हालांकि एक्टर ने ये सब एक मजाक के तहत कहा। शहजाद की पहली पत्नी रुकैया थीं, कपल ने 1991 में शादी की थी। इनसे तलाक के बाद एक्टर ने दूसरी शादी हुमैरा खान से 2008 में की। शहजाद को पहली शादी से एक बेटा है- फारिस खान, और दूसरी शादी से एक बेटी और एक बेटा हैं। शहजाद के पिता ने भी 4 शादियां की थीं। उनकी पहली शादी से तीन बच्चे थे बावजूद इसके उन्होंने सच छुपाकर दूसरी शादी की। फिर और दो पत्नियों संग रिश्ता जोड़ा। शहजाद के अपने पिता से खास अच्छे रिलेशन नहीं रहे।

मेट्रो बाजार

आईसीएआर-सीजीआईएआर साइंस एंड पार्टनरशिप वीक की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत अगले साल अप्रैल में आईसीएआर-सीजीआईएआर साइंस एंड पार्टनरशिप वीक की मेजबानी करने जा रहा है। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने और वैज्ञानिक ज्ञान, तकनीकों और बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम सीजीआईएआर और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। इस हफ्ते भर चलने वाले कार्यक्रम के लिए दुनिया भर से शोधकर्ता, किसान, सरकारें, स्टार्टअप और व्यवसाय नई दिल्ली में एक साथ आएंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, वे मिलकर उन नवाचारों पर विचार करेंगे जो पहले से ही किसानों तक पहुंच रहे हैं और कहां अधिक काम करने की जरूरत है ताकि अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच बन सके। कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डेयर) के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने कहा कि सीजीआईएआर, जो 100 से अधिक देशों में काम करने वाले 15 अनुसंधान केंद्रों वाली एक अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान साझेदारी है, ने वैश्विक कृषि उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत के साथ, विशेष रूप से आईसीएआर के माध्यम से इसका सहयोग फसल सुधार, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा और कृषि उत्पादकता में महत्वपूर्ण विकास का आधार रहा है।

एआई पर अरबों डॉलर खर्च करना मेटा को पड़ा भारी, रेटिंग एजेंसी ने घटाया कंपनी का आउटलुक

नई दिल्ली। अमेरिका की दिग्गज तकनीकी कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर भारी-भरकम खर्च अब चिंता का कारण बनता जा रहा है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कंपनी की एए- साख रेटिंग के भविष्य के आकलन को स्थिर से घटाकर नकारात्मक कर दिया है। एजेंसी के मुताबिक, एआई से जुड़ी परियोजनाओं पर लगातार बढ़ता खर्च और कंपनी के कर्ज में इजाफा उसकी वित्तीय स्थिति पर दबाव बना रहा है।

एसएंडपी ने अपने बयान में कहा कि मेटा की वित्तीय स्थिति पर एआई से जुड़े भारी खर्च का असर पड़ रहा है। कंपनी का बढ़ता कर्ज भी इस फैसले की प्रमुख वजह है। एजेंसी का मानना है कि मेटा के लिए एआई में किए गए निवेश से कमाई करने की क्षमता उसके प्रतिस्पर्धियों की तुलना में सीमित हो सकती है। रेटिंग एजेंसी के अनुमान के मुताबिक, मेटा का पूंजीगत खर्च इस साल 140 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वहीं, 2027 में इसके बढ़कर 225 अरब डॉलर से अधिक होने की आशंका है। कंपनी पर कर्ज का बोझ भी बढ़ सकता है। पिछले साल कर्ज और कमाई का अनुपात करीब 0.1 गुना था, जो 2027 में 1.0 गुना से ऊपर जा सकता है।

एसएंडपी ने मेटा की एए- साख रेटिंग बरकरार रखी है। हालांकि, भविष्य का आकलन नकारात्मक किए जाने का मतलब है कि अगले दो वर्षों में कंपनी की रेटिंग घटाई जा सकती है। फिलहाल तत्काल रेटिंग में कटौती का कोई फैसला नहीं हुआ है। मेटा के साथ दूसरी बड़ी तकनीकी कंपनियों के निवेशक भी यह देख रहे हैं कि एआई पर किए जा रहे भारी निवेश से वास्तविक कमाई कब शुरू होगी। शुक्रवार को तकनीकी कंपनियों के निराशाजनक नतीजों के कारण नैस्डैक 100 सूचकांक में 3.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हिमाचलः रोहतांग पास में बर्फबारी का आनंद लेने पहुंचे सैलानियों से हाईवे जाम

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग पास में सोमवार को बर्फबारी का आनंद लेने पहुंचे सैलानियों की भीड़ के कारण हाईवे पर जाम लग गया। रोहतांग पास, मनाली से लगभग 51 किलोमीटर दूर है और हर साल बर्फ और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पर्यटकों को आकर्षित करता है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष पर्याप्त बर्फ जमा हुई है और सूखा का तापमान लगभग 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

न्यूज विंडो

नए वायुसेना अध्यक्ष बोले- ड्रोन बदल रहे लड़ाई का स्वरूप

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने नए वायुसेना प्रमुख का पद संभाल लिया है। पद संभालने के बाद आशुतोष दीक्षित ने कहा, भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कमान संभालना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। हमारी सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां अभी भी गंभीर बनी हुई हैं। ड्रोन और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले हथियारों जैसी नई तकनीकों और प्रणालियों से युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। नए एयर चीफ ने कहा, भारतीय वायुसेना को अगले दशक में देश की जरूरतों के मुताबिक खुद को तैयार करने के साथ युद्ध लड़ने और जीतने के लिए भी हमेशा तैयार रहना होगा।

370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की तस्वीर बदली: एलजी सिन्हा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास, समान अधिकार और सुशासन के कारण बड़ा बदलाव आया है। केंद्र शासित प्रदेश की बदलती तस्वीर इन प्रयासों का नतीजा है। उपराज्यपाल शनिवार को श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पर कहा कि किसान, शिक्षक, सुरक्षाकर्मी, श्रमिक, युवा और महिलाएं जम्मू-कश्मीर को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे पहले उपराज्यपाल ने लोक भवन के अधिकारियों, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

नशा तस्करी: पंजाब में 35 विशेष एनडीपीएस अदालतें होंगी स्थापित

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आज हुई पंजाब मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान राज्यभर में 35 विशेष एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) अदालतें स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नशे से संबंधित मामलों का तेजी से निपटारा करना, अदालतों में लंबित मामलों की संख्या कम करना और नशे के अभिशाप के विरुद्ध शुरू किए गए अभियान को और मजबूत करना है। यह निर्णय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया, 'पंजाब नशा तस्करी और इसके सेवन की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। राज्य में प्रतिवर्ष लगभग 20,000 एनडीपीएस मामले दर्ज होते हैं और करीब 27,000 गिरफ्तारियां होती हैं। इनमें से लगभग 12,000 मामलों की सुनवाई सत्र अदालतों द्वारा की जाती है, जबकि प्रतिवर्ष केवल 5,700 के करीब मामलों का ही निपटारा हो पाता है। इसके कारण 31 अगस्त, 2026 तक लंबित मामलों की संख्या बढ़कर 52,577 तक पहुंच गई है।

डिजिटल होगा मरीज रजिस्ट्रेशन

प्रदेश के सरकारी अस्पताल आज से हुए कागज-रहित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश का स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग राज्य स्थापना दिवस पर आज से प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों को पूरी तरह से कागज रहित बनाने जा रहा है।

इस नई व्यवस्था को मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों से लेकर स्थानीय स्तर के उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। नए तंत्र के लागू होने के बाद बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) का पंजीकरण पर्चा सीधे मरीजों के मोबाइल फोन पर एसएमएस या डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाएगा।

डिजिटल प्रणाली से इलाज की सुविधा

इस डिजिटल व्यवस्था के दायरे में ओपीडी पंजीकरण, प्रयोगशाला परीक्षण, डॉक्टर परामर्श, फार्मेसी, जांच और बिलिंग की सभी प्रक्रियाएं शामिल रहेंगी। योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक सरकारी डॉक्टर को एक टैबलेट दिया जाएगा। इस टैबलेट में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए उपलब्ध दवाओं की पूरी सूची दर्ज होगी। डॉक्टर दवाओं की उपलब्धता के आधार पर ही मरीजों को दवाएं लिखेंगे।

आभा से जोड़ा जा रहा है सिस्टम

इस पूरी प्रणाली को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (आभा) से भी जोड़ा जाएगा, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेंगे। डॉक्टरों द्वारा लिखे गए पर्चे सीधे फार्मेसी काउंटर पर पहुंचेंगे और जांच के अनुरोध अपने आप अपडेट हो जाएंगे, जिससे अस्पतालों में होने वाले भ्रम दूर होंगे और मरीजों के समय की बचत होगी।

गांधी मेडिकल कॉलेज में पायलट प्रोजेक्ट

गांधी मेडिकल कॉलेज में बीते छह महीने से इस व्यवस्था को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित किया जा रहा है। वर्तमान समय में इसे मेडिसिन, स्किन और साइकियाट्रिक विभागों में अपनाया गया है। अब इस व्यवस्था को कॉलेज के सभी विभागों में भी लागू किया जाएगा। ओपीडी के पूरी तरह से कागज रहित हो जाने के बाद मरीजों को डिजिटल पर्चियां मिलेंगी और उन्हें सीधे संबंधित डॉक्टरों तथा पैरामेडिकल स्टाफ को भेजा जाएगा।

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस

गौरवशाली अतीत, विकासशील

वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर कदम

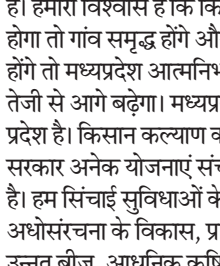

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री मप्र

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए हमारे मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्यप्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है।

वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। किसान कल्याण को लेकर राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। हम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। आज दुनिया तेजी से तकनीक और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ रही है। युवाओं के विचारों को उद्यम में बदलने के लिए स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। हमारा प्रयास है कि युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, निवेश के अवसर और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिले। कृषि तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश को नवाचार और उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा अपने नए विचारों से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

शिक्षा किसी भी समाज के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांदीपनि विद्यालयों की परिकल्पना प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।इन विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों, बेहतर अधोसंरचना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।हम चाहते हैं कि गांव और शहर के बच्चों को समान रूप से उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो। शिक्षा के साथ संस्कार, खेल, विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिले। आज के विद्यार्थी ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निर्माता हैं। स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ भविष्य के प्रति नई जिम्मेदारियों का बोध भी कराता है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश का निर्माण करना है। आइए, मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर हम सब मिलकर एक ऐसे प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जहां विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिले और हमारी आने वाली पीढ़ियां एक समृद्ध, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पर गर्व कर सकें।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर पलटी श्रद्धालुओं से भरी बस, आठ से ज्यादा घायल

रायबरेली। एजेंसी

यूपी के रायबरेली में रविवार को गंगा एक्सप्रेस-वे पर हादसा हो गया। यहां श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में आठ से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें यूपीडा की एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां उपचार चल रहा है। हादसा लालगंज क्षेत्र में ऐहार के निकट किमी संख्या 486 पर हुआ। बताया गया कि पश्चिम बंगाल के रहने वाले 26 श्रद्धालु बस से मथुरा वृंदावन में दर्शन के बाद काशी विश्वनाथ, वाराणसी जा रहे थे। तड़के ऐहार टोल प्लाजा के निकट बस अचानक अनियंत्रित हो गई। हादसे के वक्त अधिकांश यात्री नींद में थे। पलटने के बाद करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटती हुई बस

डिवाइडर से जा टकराई। हादसे से यात्रियों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची यूपीडा की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सीओ सुजीत कुमार राय ने सीएचसी पहुंचकर घायलों का हाल चाल जाना और उनके उपचार की जानकारी ली।

पंचकूला में स्कूली छात्रा से मारपीट जांच कमेटी गठित

चंडीगढ़। पंचकूला के सरकारी स्कूल में छह वर्षीय बच्ची पर आठ वर्षीय बच्चे के हमले के मामले में हरियाणा सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। बच्ची की कक्षा इंचार्ज सिमरनजीत और हमला करने वाले बच्चे की कक्षा इंचार्ज पूजा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के निर्देश पर घटना की जांच के लिए दो कमेटियां गठित की गई हैं। शिक्षा विभाग की तीन सदस्यीय कमेटी 24 घंटे में और जिला प्रशासन की पांच सदस्यीय कमेटी सात दिन में रिपोर्ट सौंपेगी।

हिमाचल: बिलासपुर के घुमारवीं में ट्रैक्टर एजेंसी में भीषण अग्निकांड

घुमारवीं (बिलासपुर)। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के घुमारवीं में एक ट्रैक्टर एजेंसी में भीषण आग लगने से बड़ा नुकसान हुआ है। घुमारवीं के बल्लू के पास स्थित स्वराज माजदा ट्रैक्टर एजेंसी में आग लगने से छह ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना के बाद एजेंसी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, एजेंसी में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और परिसर में खड़े ट्रैक्टर इसकी चपेट में आ गए। आग इतनी भीषण थी कि छह ट्रैक्टर पूरी तरह जल गए। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की

टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। अग्निशमन विभाग के कर्मचारी लगातार आग बुझाने में जुटे हुए हैं।

मेट्रो एंकर

मुंबई के केईएम अस्पताल में शुरू होने जा रही हाई-टेक वर्चुअल ऑटोप्सी

अब बिना चीर-फाड़ के मात्र 10 मिनट में पोस्टमार्टम

मुंबई। एजेंसी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की चिकित्सा व्यवस्था में अहम कड़ी शामिल होने जा रही है। शरीर के अंदर गोली का रास्ता, चाकू के घाव की गहराई या कोई छिपा हुआ फ्रैक्चर अब इन सबको बिना शरीर पर एक भी चीरा लगाए देखा जा सकेगा।

परेल स्थित नगर निगम के केईएम (किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल) अस्पताल में एक हाई-टेक 'वर्चुअल ऑटोप्सी' सेंटर बनने जा रहा है। इससे फोरेंसिक विशेषज्ञ पारंपरिक तरीके से शरीर को चीर-फाड़ करने के बजाय, स्कैन और थ्रीडी (3ष्ठ) इमेज की मदद से शवों की जांच कर सकेंगे।

17 करोड़ की लागत से बनेगा परिसर

BMC ने 17 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एक आधुनिक मॉर्चरी कॉम्प्लेक्स (शवगृह परिसर) के लिए टेंडर जारी किया। यह परिसर ग्राउंड फ्लोर के अलावा पांच मंजिला होगा और इसमें मुख्य रूप से 'नॉन-इनवेसिव' (बिना चीरा लगाए की जाने वाली) ऑटोप्सी पर ध्यान दिया जाएगा।

क्या होगा खास

यह सेंटर एडवांस इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा, जिससे विशेषज्ञों को अंदरूनी चोटों की जांच करने और हिंसक या संदिग्ध मामलों में मौत के कारण और तरीके का पता लगाने में मदद मिलेगी। यह महाराष्ट्र का अपनी तरह का पहला सेंटर होगा। इसके अलावा, भायखला स्थित सरकारी जेजे अस्पताल में भी ऐसी ही सुविधा शुरू करने की योजना है।

2021 में एम्स से हुई थी शुरुआत

दिल्ली के एम्स ने मार्च 2021 में 'वर्चुअल ऑटोप्सी' (जिसे 'वर्टोप्सी' भी कहा जाता है) की शुरुआत की थी। AIIMS की टीम के रिसर्च पेपर के अनुसार, उनका CT स्कैनर कुछ ही सेकंड में शरीर की 25,000 इमेज ले सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 10 मिनट का समय लगता है, जबकि पारंपरिक पोस्टमार्टम में चार से छह घंटे तक का समय लग सकता है। इससे पुलिस को काफी फायदा होगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524